



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 10, 1993/आषाढ़ 19, 1915

No. 28]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 10, 1993/ASADHA 19, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

अध्याय II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य
क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए गए और जारी किये गये साधारण सांविधिक
नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities
(other than the Administration of Union Territories)

विधि, व्यापक तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 जून, 1993

सा. का. नि. 349 भारत सरकार कम्पनी अधिनियम,
1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1)
के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये
तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि
प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना
संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना
कहा गया है) में आंशिक उपारान्तरण करते हुये भारत
सरकार एतद्वारा यह निर्देश देती है कि सैसर्स मनोम
प्रगोटी एस. पी. ए. (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी
कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी
होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के
खण्ड की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर
लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा

उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपा-
न्तों के अधीन रहने हुये लागू होंगी अर्थात्—

यदि कम्पनी 31-3-92 को विन्तीय वर्षों की नावत
अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत
में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रों को निम्नलिखित की
तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594
उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनु-
पालन हुआ समझा जायेगा—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा
किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका
प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592
की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के
अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार
करने के लिए प्राधिकृत किमी व्यक्ति
तथा (2) भारत में कार्यरत शाखप्राप्त
लेखापाल द्वारा किया गया है।

- (ii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निदिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण; तथा

- (iii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाणपत्र कि कम्पनी ने 31-3-92 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/4/93-सी एल -3]
धर्मपाल, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

Now Delhi, the 17th June, 1993

G.S.R. 349 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Snomprogetti S.P.A.

(hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-1992 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Register of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipt and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the Company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company

did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-92.

[No. 50/4/93-CL-II]

DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जून, 1993

सा.का.नि. 350.—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपरान्तरण करते हुए भारत सरकार एतद्वारा यह निर्देश देती है कि मैसर्स वैस्टलैण्ड स्पोर्ट्सविमिस लिमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात्—

यदि कम्पनी 27-9-91 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्ध का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 523 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति तथा (2) भारत में कार्यरत शासप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (ii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित प्रक्रिया में यथा-निदिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (iii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाणपत्र कि कम्पनी ने 27-9-91 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/7/92-सी एल-3]

धर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, 17th June, 1993

G.S.R. 350.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S. R. O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby direct that in case of M/s. Westland Support Services Ltd. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 27-9-1991 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipt and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and (2) a Chartered Accountant practising in India;
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by a person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 27-9-1991.

[No. 50/7/92-CL-III]

DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जून, 1993

सा. का. नि. 351.—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपरान्तरण करते हुये भारत सरकार एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्स केन मटसु कारपोरेशन (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त

धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कम्पनी 31-3-92 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासनप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (ii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निविष्ट धन से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (iii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण-पत्र कि कम्पनी ने 31-3-92 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/7/93-सी एल-3]

धर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, 17th June, 1993

G.S.R. 351 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Kanomatsu Corporation (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-1992 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India in triplicate:—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-1992.

[No. 50/7/93-CL-III]
DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली 16 जून, 1993

सा.का.नि. 352.—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का.नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपरान्तरण करते हुये भारत सरकार एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्स निचिमेन कारपोरेशन (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेश कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कम्पनी 31-3-93 को वित्तिय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करे उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा:—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्ति और व्यय के किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका

प्रमाणोकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति; तथा (2) भारत में कार्यरत शासन प्राण लेखापाल द्वारा किया गया है।

- (ii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा

- (iii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाणपत्र कि कम्पनी ने 31-3-93 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/9/93-सी एल-3]
धर्मपाल, अव्वर सचिव

New Delhi, the 17th June, 1993

G.S.R. 352.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby direct that in case of M/s. Nichimen Corporation (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-1993 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and (2) a Chartered Accountant practising in India;
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and

(iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-1993.

[No. 50/93-CL-III]
DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जून, 1993

सा. का. नि. 353 :—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तरण करते हुये भारत सरकार () एतद्वारा यह निर्देश देती है कि मैसर्स ओलेक्स लिमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक कम्पनी विदेशी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहने हुये लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-3-92 व 31-3-93 की वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणिकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निश्चित ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिस्थितियों तथा श्रेयताओं का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-3-92 व 31-3-93 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या-50/16/93-सी. एल. -3]

वरमपाल, अव्वर सचिव

New Delhi, the 17th June, 1993

G.S.R. 353:—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 to 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R. O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Olex Limited (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirement of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-92, 31-3-93 the company in respect of its Indian Business accounts submit to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, Certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-1992, 31-3-1993.

[No. 50/16/93-CL.III]

Dharam Pal, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जून, 1993

सा. का. नि. 354 :—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तरण करते हुये भारत सरकार () एतद्वारा यह निर्देश देती है कि मैसर्स ओलेक्स लिमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित

की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कम्पनी 31-12-92 व 31-3-93 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित-की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा:—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अंतर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया गया है।
- (2) उपर्युक्त मव (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मव (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-12-92 व 31-12-93 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या-50/53/93-सी. एल.-3]

धर्मपाल, अव्वर सचिव

New Delhi, the 17th June, 1993

G.S.R. 354:—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Sonat Offshore Drilling Inc. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modification, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the financial year ended on 31-12-92 & 31-12-93 the company in respect

of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 the Act; and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) Certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-12-92 & 31-12-1993.

[No. 50/53/93-CL-III]

DHARMA PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जून, 1993

सा. का. नि. 355 :—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उप-धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपारान्तरण करते हुये भारत सरकार () एतद्वारा यह निर्देश देती है कि मैसर्स कार्नेल ड्रेडिंग इन्क (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कम्पनी 31-1-91, 31-1-92 व 31-1-93 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा:—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अंतर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।

- (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-1-91 व 31-1-92 व 31-1-93 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या-50/14/93-सी. एल.-3]

धर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, 18th June, 1993

G.S.R. 355:— In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Cornell Trading Inc. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-1-91, 31-1-92 & 31-1-93 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above, and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-1-91, 31-1-92 & 31-1-93.

[No. 50/14/93-CL. III]

Dharam Pal, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 जून, 93

सा.का.नि. 356—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा

(1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपारान्तरण करते हुये भारत सरकार () एतद्वारा यह निर्देश देती है कि मैसर्स हगस सर्विसिज (फार ईस्ट) पेटे लिमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कम्पनी 30-9-89, 30-9-90 व 30-9-91 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा:—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आवेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शास प्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (ii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मद (ii) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 30-9-89, 30-9-90, व 30-9-91 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/10/92-सी. एल.-3]

धर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, the 24th June, 1993

G.S.R. 356.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct

that in case of M/s. Hughes Services (Far East) Pvt. Limite (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 30-9-89, 30-9-90 & 30-9-91 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India;
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item(i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 30-9-89, 30-9-90 and 30-9-91.

[No. 50/10/92-CL-III]
DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 जून, 93

सा. का. नि. 357.—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपरान्तरण करते हुये भारत सरकार () एतद्वारा यह निर्देश देती है कि मैमर्स काउल्टर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-3-91, 31-3-92 व 31-3-93 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा

(1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आदेनिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (ii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (iii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आणय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-3-91, 31-3-92 और 31-3-93 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या-50/15/92-सी.एस.-3]

धर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, the 24th June, 1993

G.S.R. 357.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration), No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Coulter Electronics Limited (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exception and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-91, 31-3-92 & 31-3-93 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.

- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-91, 31-3-92 & 31-3-93.

[No. 50/15/92-CL. III]

DHARAM PAL, Under Secy.

गृह मंत्रालय

(राष्ट्रीय अपराधशास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान)

नई दिल्ली, 22 जून, 1993

सा. का. नि. 358 :—राष्ट्रीय अपराधशास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान (गृह मंत्रालय) के निदेशक श्रीमती के. एन. रत्नामा, आशुलिपिक ग्रेड "ग", रा. अ. वि. वि. सं. की राष्ट्रीय अपराधशास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान में दिनांक 17-5-1993 (पूर्वाह्न) से 2000-60-2300-द. रो.-75-3200 रुपये के वेतनमान में पदोन्नति पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर उनकी पदोन्नति होने की तारीख से वे दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षीय पर रहेंगी।

[सं.—4/18/84—रा. अ. वि. वि. सं.]
एल. सी. अमरनाथन, निदेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(National Institute of Criminology and Forensic Science)

New Delhi, the 22nd June, 1993

G.S.R. 358.—Director, National Institute of Criminology and Forensic Science (MHA) is pleased to appoint Smt. K. N. Ratnamma, Stenographer Grade 'C', NICFS as Senior Personal Assistant in the National Institute of Criminology and Forensic Science on promotion in the scale Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/- w.e.f. 17-5-93 (F. N.).

2. She will be on probation for a period of two years from the date of her promotion to the post of Sr. Personal Assistant.

[No. 4/18/84-NICFS]

L. C. AMARNATHAN, Director

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड

नई दिल्ली, 23 जून, 1993

सा. का. नि. 359 :—केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड, भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) 1428 GL/93—2

की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धारा 31 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करता है। प्रस्तावित विनियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके इनसे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि और इसके सर्वसाधारण को उपलब्ध होने के 45 दिन की अवधि की समाप्ति पर विचार किया जायेगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व, उक्त प्रारूप के संबंध में किसी भी व्यक्ति में प्राप्त आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड द्वारा विचार किया जाएगा। उक्त आक्षेप या सुझाव सचिव, केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग), उद्योग भवन, नई दिल्ली—110011 के नाम भेजे।

मसौदा विनियम

1. (1) इन विनियमों को इंडियन बॉयलर (नूतन संशोधन) रैगुलेशन, 1993 कहा जायेगा।

(2) वह राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होगी।

2. इंडियन बॉयलर रैगुलेशन, 1950 (जिन्हें तत्पश्चात् उक्त रैगुलेशन कहा जाएगा) में रैगुलेशन 2 में, :—

(क) क्लॉज (सी) के उपरान्त, निम्नलिखित क्लॉज जोड़ी जायेगी, अर्थात् :—

(सी सी) गणना दबाव, बॉयलर के सम्बन्ध में, का अर्थ होगा कि किसी भाग के डिजाइन दबाव में दबाव गिरने व द्रवीय दबाव की अधिकतम कठोर शर्तों के अनुसार दबाव में गिरावट को हिसाब में रखते हुए समायोजन किया हुआ दबाव।

(ख) क्लॉज (डी डी) के उपरान्त, निम्नलिखित क्लॉज जोड़ी जायेगी, अर्थात् :—

“(डी डी डी) डिजाइन दबाव का अर्थ होगा, —

(अ) प्राकृतिक या सहायता प्राप्त परिमंचरण वाले बॉयलर के सम्बन्ध में, बॉयलर के भाप ड्रम में अधिकतम स्वीकार्य प्रचालन दबाव;

(ब) वन्य धू, बलपूर्वक परिमंचरण वाले बॉयलर के सम्बन्ध में, सुपरहीटर के अन्तिम भाग निगास पर अधिकतम स्वीकार्य प्रचालन दबाव;

3. उक्त रैगुलेशन में, रैगुलेशन 4 में, उ-रैगुलेशन (सी) में, पैरा (6) में, पैरा (ई) के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(इ) हर दर्जे के इस्पात को तीन तापमानों पर, अर्थात् टी 22 दर्जे के इस्पात को 500 सै., 550 सै. व 600 सै. पर ताप टी 12 दर्जे के

इस्पात को 460 मै., 500 मै. व 550 मै. और हर तापमान पर 1000, 3000 व 10000 घण्टे का विदार जीवन ने केलिये तीन बाब स्तरों पर और उम कोष्ठ/संहिता जिसके अनुसार इस्पात बनाया गया है की हर जांच स्थिति में दो नमूने लेने हुये जांचा जायेगा।”

4. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 4 ए में, उप रैगूलेशन (3) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-रैगूलेशन जोड़ा जायेगा, अर्थात् :—

“(4) सुप्रसिद्ध इस्पात निर्माता, सुप्रसिद्ध पाईप ट्यूब निर्माता, सुप्रसिद्ध फाईवरी या फोर्ज के रूप में मान्यताप्राप्त करने की इच्छुक विदेशी कम्पनियों के मामले में भरे हुये प्रश्नमाला फार्म के साथ 10,000 डालर (दस हजार अमरीकी डालर) मात्र की शुल्क जमा करानी होगी। मूल्यांकन समिति शुल्क प्राप्ति के 120 दिनों के अन्दर मूल्यांकन करेगी।”

5. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 7 के स्थान पर निम्न-लिखित रैगूलेशन प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“7. मानक शर्तों में असेगित पर बाँयलर :—

जब मानक शर्तों का अनुपालन न किया गया हो बाँयलर के अवयवों का परिचालन दबाव इन विनियमों के ब्यौरा दिये हुए सूत्रों के अनुसार गणित किये हुए दबाव से निम्नलिखित रूप में कम कर दिया जायेगा।

(ए) जब इन्सैफिटिंग अथार्टी का फार्म II में प्रमाण पत्र नहीं प्रस्तुत किया जाता — 10 प्रतिशत

(बी) जब इस्पात के जांच की कोई प्रमाण नहीं है — 15 प्रतिशत

7ए. पुराने शैल टाईप बाँयलर का पंजीकरण :—

(ए) (क) जहाँ पंजीकरण के लिये सभी अपेक्षित दस्तावेज नहीं प्रस्तुत किये जाते, बाँयलर के अवयवों का प्रचालन दबाव इन विनियमों में सूत्र के अनुसार गणित किये हुए दबाव से पंजीकरण के समय 20 प्रतिशत कम कर दिया जायेगा।

(ख) पंजीकरण की तिथि से बायलर के चालू रहने के हर 10 वर्षों के बाद प्रचालन दबाव निम्नलिखित रूप से कम कर दिया जायेगा :

पंजीकरण तिथि से बाद की अवधि

सूत्र से गणित प्रचालन के दबाव में कमी

10 वर्ष	20 प्रतिशत
20 वर्ष	40 प्रतिशत
30 वर्ष	50 प्रतिशत
40 वर्ष	60 प्रतिशत
50 वर्ष	70 प्रतिशत

(बी) जहाँ पंजीकरण के लिये अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत किये जाते हैं, बायलर के अवयवों का परिचालन दबाव जैसा कि बायलर से गणित किया गया हो, में बाँयलर (प्रयोग न किये गये बाँयलर) के पुराने पंजीकरण की तिथि से निम्नलिखित रूप से कम कर दिया जायेगा :

बायलर की आयु (प्रथम पंजीकरण से) वर्षों में

से) वर्षों में	25	35	45	50	60	70	70	90	100
प्रचालन दबाव में कमी (प्रतिशत)	5	10	15	20	30	40	50	60	70

6. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 61 में, उपरैगूलेशन (ए) में, अंत में निम्नलिखित परस्तुक जोड़ दिया जायेगा, अर्थात्

“यद्यपि यदि ट्यूब की उपयुक्त विधि जैसे अल्ट्रासोनिक या/और ऐडी करंट विधि से अविध्वंसात्मक जांच की गई हो तो इन्सपेक्शिंग अथार्टी द्वारा यह जांच छोड़ी जा सकती है।”

7. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 1132 में, उप-रैगूलेशन (बी) के पश्चात् निम्नलिखित उप-रैगूलेशन जोड़ा जायेगा, अर्थात् :—

“बी बी (ज्वाला रहित बाँयलरों के निर्माण में, जब कि तश्तरी नुमा छोर तापन सतर का भाग नहीं है, आई एस 2825 के अनुरूप कोल्ड स्थान तश्तरी नुमा छोर प्रयोग में लाये जा सकते हैं।”

8. उक्त रैगूलेशन में रैगूलेशन 268 के स्थान पर, निम्नलिखित रैगूलेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

“268. निर्माता के कारखाने में द्वितीय जांच:—

- (ए) बायलर ड्रम व दूसरे बेलनाकार अवयव जिनका आन्तरिक व्यास 600 मिलीमीटर से अधिक हो, निर्माता के कारखाने में निर्माण पूरा होने पर इन्स्पेक्টিंग अथॉर्टी की उपस्थिति में, अधिकतम स्वीकार्य दबाव के $1\frac{1}{2}$ गुने दबाव पर बिना किसी कमजोरी और त्रुटि दिखाए, उनकी जांच की जायेगी।
- (बी) ऐसे सभी अवयव जिन्हें बायलर में जोड़ने के बाद निरीक्षण के लिए यथोचित पहुंचा नहीं जा सकता या वैल्विंग से पहले उस रैगूलेशन (ए) में दिए हुए दबाव से कम दबाव पर द्वितीय जांच की गई हो उनकी बायलर में जोड़े जाने से पहले अधिकतम स्वीकार्य प्रचालन दबाव के $1\frac{1}{2}$ गुना पर द्वितीय जांच की जायेगी।
- (सी) नलिकादार उत्पाद जिन्हें वैल्विंग से पहले वांछित दबाव पर द्वितीय जांचा गया हो या आल्ट्रासोनिक विधि से जांचा गया हो उनकी अवयव के रूप में और जांच नहीं की जायेगी बशर्ते कि उन्हें जोड़ के दौरान परिधिधार बट्ट जोड़ जिन्हें वैल्व किया गया हो और प्रासंगिक उपग्रंथ के अनुसार अविध्वंसात्मक जांचा गया हो,
- (डी) नलिकादार उत्पादों से भिन्न दूसरे अवयवों की बायलर में जोड़ने से पहले द्वितीय जांच नहीं की जायेगी यदि संपूर्ण बायलर का अधिकतम प्रचालन दबाव के $1\frac{1}{2}$ गुना दबाव पर उपयोग स्थल पर द्वितीय जांचा जाये।
- (ई) ड्रमों के मामलों में ऐसे हैडर जिनमें ट्यूब जोड़ी जायेगी, जांच ट्यूबों के लिये सुरक्षित बनाने से पहले परन्तु नाजल और वेसी फिटिंग जोड़ने के बाद की जायेगी।
- (एफ) जांच दबाव को हर समय सही नियंत्रण में रखते हुये धीरे धीरे बढ़ाया जायेगा कि वह वांछित दबाव से 6 प्रतिशत से अधिक कभी न बढ़े और उस दबाव पर 30 मिनट के लिये रोका जायेगा जिसके उपरान्त दबाव को अधिकतम स्वीकार्य प्रचालन दबाव तक घटाया जायेगा और दबावयुक्त अवयवों में रिसाव का सही अवलोकन निरीक्षण के लिये पर्याप्त समय तक बनाये रखा जायेगा।
- (जी) दबाव जांच के लिए माध्यम के रूप में प्रयोग किये गये पानी का तापमान 20 डि. से. से कम नहीं व 50 डि. से. से अधिक नहीं होगा।
- (एच) संघटित बनावट वाले ड्रमों व रिबिट किये हुये भागों व छोर वैल्व किये हुए भागों की बिना जोड़ के फोर्ज किये हुये ड्रम शैड जिसके छोर फ्यूजन वैल्व से जोड़े गये हों, इनके मामले में जांच दबाव उतना ही होगा जितना फ्यूजन वैल्व ड्रम के लिये है।
- (आई) यदि द्वितीय जांच वैल्व किये हुये छोर में कुछ त्रुटि दर्शाये, तो जब तक इन्स्पेक्টিंग अथॉर्टी अनुमति नहीं दे इसकी मरम्मत नहीं की जायेगी।
- (जे) ड्रम जिसे पहले हीट ट्रीटमेंट द्वारा रिलीव किया गया हो, में सहमत मरम्मत पूरी करने के उपरान्त, यदि इन्स्पेक्টিंग अथॉर्टी द्वारा वांछित हो, और हीट ट्रीटमेंट किया जायेगा और ड्रम की दुबारा से द्वितीय जांच की जायेगी।

9. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 310 में, रैगूलेशन (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपरैगूलेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

“(1) स्प्रिंग में स्थाई सर्पीडन (जिसे मुक्त उंचाई व स्प्रिंग को कमरे के तापमान पर प्री सैट कर तीन अतिरिक्त बार पूरा खनाने के दस मिनट बाद मापी गई उंचाई का अन्तर कहा जायेगा) मुक्त उंचाई के 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।”

10. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 320 में,

(क) उप-रैगूलेशन (ए) के स्थान पर निम्नलिखित उप रैगूलेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

“(ए) प्रत्येक बायलर में पानी बहाने के दो साधन होंगे जिनमें से एक परंपरागत गेज ग्लास होगा।

बशर्ते कि 3 फुट से कम व्यास वाले बायलर ड्रम जिन में दो जल गेज लगाना कठिन हो, के मामले में दो जांच टोटी और एक शीशे का जल गेज लगाया जायेगा।”

(बी) उप रैगूलेशन (बी) को हटा दिया जायेगा।

(सी) उप रेगूलेशन (सी) व (डी) को क्रमशः उप-रेगूलेशन (बी) व (सी) पुनर्गठित किया जाएगा।

(डी) इस प्रकार पुनर्गठित उप रेगूलेशन (बी) में, —

(i) अंक व शब्द "2 इंच" के स्थान पर, अंक व शब्द "50 मिलीमीटर" प्रतिस्थापित किया जायेगा;

(ii) अंत में निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

"गेज ग्लास के दिखाई देने वाले भाग की न्यूनतम लम्बाई 200 मिलीमीटर होगी। निर्माता राज्य के मुख्य निरीक्षक निदेशक बायलर द्वारा बायलर की क्षमता को देखते हुये लम्बाई बढ़ाई जा सकती है।"

11. उक्त रेगूलेशन में, रेगूलेशन 357 में, उप रेगूलेशन (बी) में,—

(ए) शब्दों व अंकों "आकृति संख्या 28 से 34" के स्थान पर, शब्द व अंक "आकृति संख्या 28 से 34 ए" प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

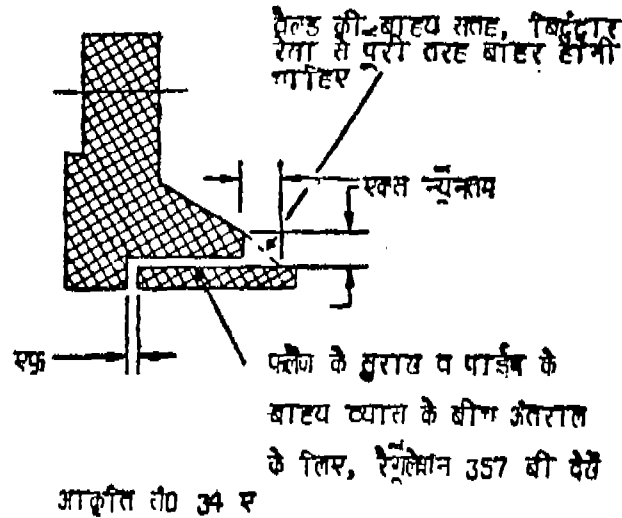
(बी) किस्म 7 व इसमें सम्बंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

"8, साकेट बेल्ट फ्लैज आकृति 34 ए"

(सी) डिजाइन स्थितियों में, अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

"किस्म 8 सभी डिजाइन व तापमान स्थितियों के लिये फ्लैज, यह किस्म केवल 51 मिलीमीटर तक के नामिक बोर वाले पाईपों के लिये प्रयोग किया जायेगा। जहां तीव्र क्षरण या संक्षारण की संभावना हो यह फ्लैज प्रयोग नहीं किये जायेंगे।"

(ड) आकृति 34 के पश्चात् निम्न आकृति निविष्ट की जायेगी, अर्थात्:—



एक्स न्यूनतम = हब की मोटाई या 1.4 टी में से छोटा

टी = समीकरण 91 से निकाली गई पाईप की मोटाई

एफ = लगभग 1.6 मी मी (1/16 इंच) बिल्टिंग से पहले साकेट बेल्ट फ्लैज

12. उक्त रेगूलेशन में, रेगूलेशन 376 में, उप रेगूलेशन (ई) के स्थान पर, निम्नलिखित उपरेगूलेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

"(ई) सामान्यता सेफटी वाल्व चैस्ट और बायलर में बीच कोई ब्लैक फ्लैज/प्लग निविष्ट नहीं की जायेगी और जहां निरीक्षक द्वारा इसकी स्वीकृति दी गई हो, ब्लैक फ्लैज/प्लग को उसकी उपस्थिति में हटा दिया जायेगा।"

13. उक्त रेगूलेशन में, रेगूलेशन 379 में, उप रेगूलेशन (ए) के स्थान पर, निम्नलिखित उप रेगूलेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

"ए(i) रेगूलेशन 381 की उप रेगूलेशन (ई) के उपबन्धों को देखते हुये प्रत्येक बायलर को स्थल पर निर्माण के बाद निरीक्षक की उपस्थिति में, फार्म II में इन्सपेक्टिंग अथॉरटी द्वारा प्रमाणित अधिकतम प्रचालन दबाव के 1 1/4 गुना दबाव पर जांचा जायेगा व किसी बुर्बलता या त्रुटि से मुक्त पाये जाने पर, बायलर पर अंकित कर दिया जायेगा।"

(ii) यदि रेगुलेशन 268 के अनुसार बॉयलर के सभी अवयवों की निर्माता के कारखाने में द्वितीय जांच नहीं की गई हो, तो पूर्ण होने पर, बॉयलर को अधिकतम प्रचालन दबाव के $1\frac{1}{2}$ गुना दबाव पर आंचा जायेगा।

(iii) जांच माध्यम के रूप में प्रयोग किये जाने वाले जल का तापमान 20 डि. सेंटीग्रेड से कम नहीं व 50 डि. सेंटीग्रेड से अधिक नहीं होगा।

(iv) परीक्षण दबाव को हर समय नियंत्रण में रखते हुये धीरे-धीरे बढ़ाया जायेगा कि यह वांछित दबाव के 6 प्रतिशत ज्यादा से अधिक न बड़े और उसे 30 मिनट तक उसी दबाव पर रखा जायेगा जिसके पश्चात् दबाव को अधिकतम प्रचालन दबाव तक घटाया जायेगा और उसे दबाव अवयवों की सूक्ष्म दृश्यमान निरीक्षण के निये प्रर्पण समय तक बनाये रखा जायेगा।

14. उक्त रेगुलेशन में, रेगुलेशन 382 के उप रेगुलेशन (ए) में, अपने विशिष्ट अक्षरों के साथ राज्यों/संघ क्षेत्रों की सूची में,

“मनीपुर एम. ए.” प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि निविष्ट की जायेगी, अर्थात्:
“मेघालय एम. एल”

15. उक्त रेगुलेशन में, रेगुलेशन 388 के स्थान पर, निम्नलिखित रेगुलेशन प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“388 निरीक्षण पत्रक पुस्तिका व पंजीकरण पुस्तिका का हस्तांतरण :—किसी बॉयलर के एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाये जाने की दशा में, निरीक्षण पत्रक पुस्तिका व पंजीकरण पुस्तिका के हस्तांतरण के लिये निम्नलिखित कार्यविधि अपनाई जायेगी :—

(ए) मांग करने पर, ग्राहक को हस्तांतरक राज्य द्वारा रिकार्ड की उपलब्धता के विषय में पंद्रह दिन के अन्दर सूचना दी जायेगी।

(बी) हस्तांतरी राज्य द्वारा की गई मांग की प्राप्ति के 60 दिन के अन्दर हस्तांतरक राज्य द्वारा रिकार्ड हस्तांतरी राज्य को भेज दिये जायेंगे।

(सी) जैसा कि ऊपर निर्दिष्ट किया गया है यदि रिकार्ड प्राप्त नहीं किये जाते, मामला तकनीकी सलाहकार (बॉयलर) की जानकारी में लाया जायेगा जो कि मामले को समबद्ध प्राधिकारी के साथ उठायेगा।

(डी) यदि रिकार्ड बिष्कुल भी प्राप्य नहीं होते, केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड से निष्कासन के पश्चात् हस्तांतरी द्वारा नया पंजीकरण अंक दे दिया जायेगा।”

16. उक्त रेगुलेशन में, रेगुलेशन 391ए के स्थान पर, निम्नलिखित रेगुलेशन प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“391ए. बॉयलर का काल प्रभावन :—

(अ) शील टाईप बॉयलर :

(i) बॉयलर पर आयु के प्रभाव को देखते हुए, इन रेगुलेशन में दिये गये सूत्रों से निकाले गये अवयवों के प्रचालन दबाव को नीचे दी गई तालिका के आधार पर कम कर दिया जायेगा :—

तालिका

बॉयलर की आयु (वर्षों से अधिक)	25	35	45	50	60	70	80	90	100
अधिकतम स्वीकृत प्रचालन दबाव (प्रतिशत)	95	90	85	80	70	60	50	40	30

(ii) उन बॉयलरों को जिनकी प्लेटें इस रेगुलेशन की रेगुलेशन 7 के अंतर्गत काटी व जांची जा चुकी हैं बॉयलर की जांच की तिथि से 50 साल की और अवधि प्रदान की जायेगी। प्रचालन दबाव जो जांच के पश्चात् स्वीकार किया जायेगा, निम्नलिखित तालिका के अनुसार घटा दिया जायेगा :

तालिका

जांच के बाद की अवधि (वर्षों में)	10	20	30	40	50
अधिकतम स्वीकार्य दबाव (प्रतिशत)	90	80	70	50	30

(ब) वाटर ट्यूब बायलर

- (i) बायलर जो 400 डी. सीटीग्रेड और इससे अधिक पर काम करते हैं, समेत यूटीलिटी औद्योगिक बायलर के, और शीप श्रेणी में काम करने वाले सभी बायलर अवयवों को 100,000 घंटों तक काम करने के पश्चात्, अवयवों की शेष आयु जानने के लिये अविध्वंसक जांच की जायेगी।
- (ii) 25 वर्ष की आयु होने पर बायलर के अवयवों को उनकी शेष आयु जानने के लिए जांचा जायेगा। यदि केन्द्रीय बायलर बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार परिणाम स्वीकार्य हों तो बायलर की आयु और 10 वर्ष या शेष जीवन मूल्यांकन संगठन द्वारा सिफारिश की गई इससे कम अवधि के लिये मुख्य निरीक्षक बायलर द्वारा प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा। तत्पश्चात् यह मूल्यांकन बायलर और शेष जीवन व इसमें बढ़ोतरी के क्षेत्र में कार्य कर रहे संगठन द्वारा हर पांच वर्ष बाद किया जायेगा जबकि ऐसे संगठन को केन्द्रीय बायलर बोर्ड से मान्यता प्राप्त हो। ऐसा संगठन तकनीकी सलाहकार (बायलर) के कार्यालय के साथ शेष जीवन मूल्यांकन व बढ़ोतरी के क्षेत्र में निकट समन्वय से काम करेगा। ऐसे बायलरों का प्रचालन दबाव ऐसी मान्यताप्राप्त संस्था की सिफारिश पर घटाया जा सकता है।”

17. उक्त रैगुलेशन में, रैगुलेशन 393 में,—

- (i) उप रैगुलेशन (डी) में शब्द व संख्या “रैगुलेशन 385” के पश्चात् शब्द व संख्या “अधिकतम 20000 रु.” जोड़े जायेंगे।
- (ii) उप रैगुलेशन (डी) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-रैगुलेशन जोड़े जायेंगे, अर्थात् :—
- (ई) एक विद्यमान बायलर में संशोधन के सोटे विवरण या परिवर्तन दिखाने वाली व्यवस्था ड्राईंग, उस राज्य में, जहां बायलर में संशोधन या परिवर्तन का इरादा हो, के मुख्य निरीक्षक बायलर की स्वीकृति पर निर्भर होगी।
- (एफ) यदि विस्तृत निर्माण ड्राईंग उस राज्य की इन्सपेक्टिंग अथॉर्टी द्वारा, जहां कि अवयव बनाये जायेंगे या निरीक्षित किये जायेंगे, स्वीकृत की गई हों तो उप-रैगुलेशन (ई) के अलग से अनुपालन की आवश्यकता नहीं है।

18. उक्त रैगुलेशन में, रैगुलेशन 395 ए में, उप रैगुलेशन (3) के स्थान पर, निम्नलिखित उप रैगुलेशन प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(3) ट्यूब मोर पाइप के निरीक्षण के लिये, शुल्क 100 रु. प्रति मीट्रिक टन या उसके भिन्न के आधार पर लगाई किया जाएगा”।

19. उक्त रैगुलेशन में, रैगुलेशन 395 सी में, उप रैगुलेशन (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उप रैगुलेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“(1) बास्कों के लिये, न्यूनतम निरीक्षण शुल्क 300 रु. प्रति निरीक्षण होते हुए, निरीक्षण शुल्क आधार पर लगाई जायेगी :—

- (ए) 25 मिलीमीटर तक————— 5 रु. प्रति बास्क
- (बी) 25 मिलीमीटर से अधिक व 50 मिलीमीटर तक————— 10 रु. प्रति बास्क
- (सी) 50 मिलीमीटर से अधिक व 100 मिलीमीटर तक————— 20 रु. प्रति बास्क
- (डी) 100 मिलीमीटर से अधिक व 250 मिलीमीटर तक————— 100 रु. प्रति बास्क
- (ई) 250 मिलीमीटर से अधिक————— 200 रु. प्रति बास्क

20. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन एफ के पश्चात्, निम्नलिखित रैगूलेशन निविष्ट की जायेगी, अर्थात् :—

“395 जी. अतिरिक्त पुर्जों व छोटे भागों की निरीक्षण शुल्क :—

अतिरिक्त पुर्जों व छोटे भागों के निरीक्षण के लिये शुल्क निम्न आधार पर लगाई जायेगी :—

- (ए) बाह्य सतह का क्षेत्रफल 10 वर्ग फुट (0.93 वर्ग मीटर) से अधिक न होने पर—300 रु.
 (बी) बाह्य सतह क्षेत्रफल 10 वर्ग फुट (0.93 वर्ग मीटर) से अधिक परन्तु 30 वर्ग फुट (2.79 वर्ग मीटर) से अधिक नहीं—400 रु.
 (सी) बाह्य सतह का क्षेत्रफल 30 वर्गफुट (2.79 वर्गमीटर) से अधिक परन्तु 50 वर्गफुट (4.65 वर्गमीटर) से अधिक नहीं—450 रु.

(डी) बाह्य सतह क्षेत्रफल 50 वर्गफुट (4.65 वर्गमीटर) से अधिक परन्तु 70 वर्गफुट (6.50 वर्गमीटर) से अधिक नहीं—550 रु.

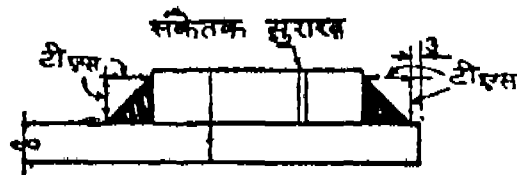
(ई) बाह्य सतह क्षेत्रफल 70 वर्गफुट (6.50 वर्गमीटर) से अधिक परन्तु 90 वर्गफुट (8.36 वर्गमीटर) से अधिक नहीं—650 रु.

(एफ) बाह्य सतह क्षेत्रफल 90 वर्गफुट (8.36 वर्गमीटर) से अधिक परन्तु 110 वर्गफुट (10.22 वर्गमीटर) से अधिक नहीं—750 रु.”

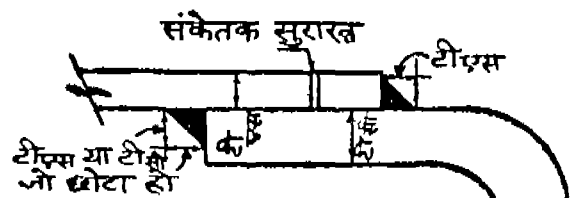
21. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 545 में, उप रैगूलेशन (सी) के पश्चात्, निम्नलिखित उप रैगूलेशन निविष्ट की जायेगी, अर्थात् :—

(सी सी) ज्वाला रहित बॉयलर के निर्माण में जब की तश्तरीनुमा किनारे गरम करने वाली सतह का भाग नहीं हो पाई, एस. 2825 के अनुरूप कोल्ड स्पन तश्तरीनुमा किनारे प्रयोग किये जा सकते हैं।

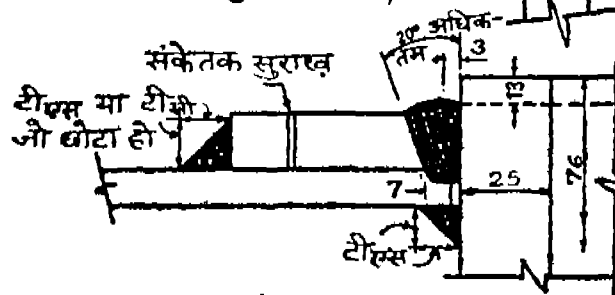
22. उक्त रैगूलेशन में रैगूलेशन 554 में, आकृति संख्या 12/53, 12/54 व 12/56 के स्थान पर निम्नलिखित आकृतियां प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—



आकृति सं० 12/53



आकृति सं० 12/54.



आकृति सं० 12/56
(माप मिलीमीटरों में)

23. उक्त रैगुलेशन में, रैगुलेशन 611 में, उप रैगुलेशन (ए) में, शब्द “एक्सरे” के स्थान पर, शब्द “विकिरण-चित्रण” प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

24. उक्त रैगुलेशन में, इस्पात निर्माता के प्रमाण-पत्र से सम्बद्ध काम 4 में, “हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं” में शुरू होकर और “मानकों के अनुसार सन्तोषजनक रूप से जांचा गया है” में समाप्त होकर, के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि नीचे दिया हुआ द्रव्य मैं. —

द्वारा—विधि से—मानक के अनुसार बनाया गया है और—द्वारा रोल किया गया है और हमारे जांच शाला के प्रबन्धक या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में निदिष्ट जाचों व गुंजाइशों के अनुसार सन्तोषजनक रूप से जांचा गया है उन यांत्रिक बार/स्कैल्स, बिलेट और गर्म रोल की हुई पत्तियों, जिन पर उसी निर्माता द्वारा ट्यूब/पाईप बनाने के लिये और काम किया जाना है, इस्पात निर्माता द्वारा भौतिक गुण देना वांछित नहीं है।”

25. उक्त रैगुलेशन में, परिशिष्ट जे के स्थान पर, निम्नलिखित परिशिष्ट प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“परिशिष्ट जे

निर्माण के दौरान बॉयलर का निरीक्षण व जांच

सामान्य

इन्स्पेक्टिंग अथॉर्टी का निर्माता के कारखाने पर सभी उचित समयों पर पहुंच होगी और वह बॉयलर निर्माण के न्यूनतम निम्नलिखित चरणों पर निरीक्षण करेगी व किसी अवयव को जो भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करता, अस्वीकार कर सकती है। किसी शंका की स्थिति में, इन्स्पेक्टिंग अथॉर्टी नीचे दिये गये निदिष्ट चरणों के अतिरिक्त अन्य किसी चरण में जांच कर सकती है। निर्माता इन्स्पेक्टिंग अथॉर्टी/इन्स्पेक्टिंग अधिकारी को हर चरण पर पहुंचने से न्यूनतम 4 कार्य दिवस पहले सूचना देगा। किसी भी चरण पर निरीक्षण करने से पहले इन्स्पेक्टिंग अथॉर्टी/इन्स्पेक्टिंग अधिकारी खुद को सन्तुष्ट करेगा कि परीक्षण उपकरण/यंत्र ठीक से अंशकालन कर लिये गये हैं।

निर्माण के दौरान निरीक्षण

प्रत्येक बॉयलर निर्माण के दौरान इन्स्पेक्टिंग अथॉर्टी द्वारा नामित इन्स्पेक्टिंग अधिकारी के द्वारा निरीक्षित किया जायेगा। यह सुनिश्चित करने के लिये कि द्रव्य, बनावट व जांच इन विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप है प्रयत्न निरीक्षण किया जायेगा

निर्माण के दौरान निरीक्षण के चरण

ए. शील टाईप बॉयलर

- (ए) (i) प्लेट पर लगे पहचान चिह्नों को प्लेट निर्माता के प्रमाण-पत्र में अंकित चिह्नों से मिलान कीजिये;
- (ii) प्लेट से निर्माता के प्रमाण पत्र में दिये हुये यांत्रिक व रसायनिक गुणों के परिणामों को भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 की अपेक्षाओं के विरुद्ध जांच की जाये;
- (iii) मूल प्लेट या प्लेटों से काटने से पहले परीक्षण प्लेटों की पहचान के लिये अंकन के माफ़ी रहिये।
- (बी) जब शील प्लेट और छोर प्लेटें, प्लेटों के किनारे बॉल्डिंग के लिये तैयार करके, बनाई गई हों और जांच प्लेटें जोड़ी गई हों—
- (सी) जब मुख्य बेलनाकार शील की बॉल्डिंग पूरी होती है और गोलाई के लिये जांचा जाता है;
- (डी) विकिरण चित्र और/या अर्बिध्वंसालक परीक्षण के परिणाम की परीक्षा करना;
- (ई) जब सुराख तैयार कर लिये गये हों और स्टैंड पाईप और समरूप जोड़, समेत छोर प्लेटों के, अपने स्थान पर टेक बॉल्ड किये गये हों और उसके पश्चात् पूरा होने की स्थिति में;

(एफ) जब ड्रम या शैल की वेल्डिंग पूरी हो और हीट-ट्रीटमेंट का रिकार्ड जांचों को जब कि इन विनियमों के अन्तर्गत हीट-ट्रीटमेंट वांछित हो;

(जी) जब वेल्ड जांच के नमूने वांछित जांच को साक्षी करने के लिये पहले से चुने दृष्टे परीक्षण प्लेट से बनाये गये हों;

(एच) द्वितीय जांच के दौरान, तत्पश्चात् बाह्य व आंतरिक जांच व मुहर लगाना।

(बी) वाटर-ट्यूब बायलर

1. वेल्ड किये हुए ड्रम व हैडर

(ए) (i) जब बायलर निर्माता के कारखाने पर प्लेटों पहचान के लिये प्लेट मिल प्रमाण-पत्र के साथ तैयार हों और बेलनाकार रूप दिये जाने के लिये माप की काट कर तैयार की जाती हों;

(ii) प्लेटें बिछाने और काटने में, प्लेट पहचान चिह्न ऐसी स्थिति में होगा कि बायलर अवयव बनने के बाद साफ से दिखाई दे। यदि प्लेट का पहचान चिह्न अपरिहार्यता से काट दिया जाता है, इसे निर्माता द्वारा इन्स्पेक्टिंग अथार्टी की संहति के अनुसार अवयव के किसी दूसरे भाग पर स्थानांतरित कर दिया जायेगा;

(iii) यदि उत्पादन वेल्ड जांच वांछित हो तो इन्स्पेक्टिंग अथार्टी वेल्ड जांच प्लेट द्रव्य का निर्धारण करेगी।

(बी) जब प्लेटें वेल्डिंग के लिये किनारे बनाकर बेलनाकार रूप देने के लिये बनाई जाती हों और वेल्डिंग शुरू करने लिये व जांच प्लेटें जोड़ने के लिये तैयारी की अवस्था में रखी गई हों;

(सी) जब मुख्य बेलनाकार शैल की वेल्डिंग पूरी हो गई हो शैल गोलाई के लिये जांचा जाये और विकिरणीय या अल्ट्रासोनिक जांच रिपोर्ट/रिकार्ड जांच के लिए उपलब्ध कराये जाते हों।

(डी) जब छोर की प्लेटें मिल प्रमाण-पत्र के साथ पहचान के लिये तैयार हों, वेल्ड किनारे तैयार करके आकार में बनाये गये हों और बेलनाकार शैल पर लगा कर परिधिक वेल्डिंग के लिये तैयार कर लिये गये हों।

(ई) जब ड्रम या हैडर पर छोर की प्लेटों की वेल्डिंग पूरी हो और विकिरण चित्र या अल्ट्रासाउण्ड परीक्षण रिकार्ड जांच के लिये उपलब्ध हों।

(एफ) जब प्रत्येक ड्रम या हैडर को क्षतिपूरक प्लेट और अटैचमेंट लगाने को तैयार किया गया हो और जब हर प्रकार के शाखा या ट्यूब स्टब के कम से कम 10 प्रतिशत की वेल्डिंग के लिये तैयार किया जाये;

(जी) जब प्रत्येक ड्रम या हैडर पर सारी वेल्डिंग हो जाये इन्स्पेक्टिंग अथार्टी हीट ट्रीटमेंट का रिकार्ड जांचेगी और परीक्षण प्लेट से बनाने और जांचने के लिये नमूने के लिये निशान लगाये जायेंगे।

(एच) द्वितीय जांच पर तत्पश्चात् बाह्य और आंतरिक जांच व परीक्षा और मुहर लगाना। 50 मिलीमीटर से मोटे एलाय इस्पात के ड्रम और 100 मिलीमीटर से मोटे हार्ड कार्बन इस्पात के ड्रमों नांजल और स्टब वेल्ड पर तनाव मुक्ति के बाद और अविध्वंसात्मक जांच की जायेगी;

(आई) कोई ड्रम जिसमें द्वितीय जांच के बाद सुराख बनाये गये हों यह कार्य पूरा होने पर निर्माता के कारखाने से भेजने से पहले फिर से जांचा जायेगा।

सी. जोड़रहित ड्रम और हैडर

(1) जब द्रव्य इस्पात निर्माता के उत्पादन व जांच प्रमाण-पत्रों के साथ पहचान के लिये तैयार हों, तब भी जब प्रत्येक सिन्डर बनाये जाने के लिये तैयार हो, या अलग-अलग छोर क्लोजर की वेल्डिंग पर और जांच प्लेट के द्रव्य की पहचान के लिये;

(2) जब प्रत्येक प्लेट शैल के ड्रम या हैडर को क्षतिपूरक प्लेट व अटैचमेंट लगाने को तैयार किया जाता है और स्टैंड पाइपों, ट्यूबों या ट्यूब स्टबों की स्रोतक संख्या की वेल्डिंग के लिये तैयार लगाया जाता हो;

(3) जब प्रत्येक ड्रम पर वेल्डिंग पूरी हो जाये व विकिरण चित्र या अल्ट्रासोनिक जांच रिकार्ड उपलब्ध हों तो इन्स्पेक्टिंग अथार्टी हीट ट्रीटमेंट का रिकार्ड जांचेगी और परीक्षण प्लेट से जांच के लिये नमूनों पर निशान लगायेगी;

(4) द्वितीय जांच पर, तत्पश्चात् बाह्य व आंतरिक जांच पर मुहर लगाना। हार्ड कार्बन या एलाय द्रव्य के मोटे ड्रमों पर ड्रम नांजल और स्टब वेल्ड पर तनाव मुक्ति के बाद और अविध्वंसात्मक जांच की जायेगी

टी. ट्यूब व आंतरिक पाईप

(ए) जब ट्यूब या टाईप ट्यूब निर्माता के प्रमाण पत्र बॉयलर निर्माता के कारखाने में पहचान के लिये तैयार हों और कम से कम 10 प्रतिशत ट्यूब या पाईप वैल्विंग के लिये लगाये गये तैयार हों।

(बी) जब ट्यूब या पाईप और उनके अटैचमेंट की वैल्विंग पूरी हो और अविध्वंस्यतात्मक जांच की रिपोर्ट/रिकार्ड जांच के लिये उपलब्ध हों।

ई. इन्स्पेक्टिंग अथॉर्टी द्वारा इस्पात निर्माता/फाउन्ड्री/फोर्ज व पाईप और ट्यूब निर्माता के कारखाने पर किये जाने वाले निरीक्षण व जांच

1. इस्पात निर्माता का कारखाना

(ए) जब बिलेट, प्लेट, ऐंगल, बार या बॉयलर के निर्माण में प्रयोग किया जाने वाला कोई अन्य अवयव

(1) विनियमों के आधार पर इस्पात की रसायनिक जांच करना;

(2) यांत्रिक जांच के लिये नमूने पर निशान लगाना;

(3) अंतिम जांच।

टिप्पण—ऊपर उल्लिखित किसी भी चीज के बावजूद जहां इस्पात भारतीय बॉयलर विनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड से मान्यता प्राप्त सुप्रसिद्ध इस्पात निर्माता द्वारा बनाया गया हो यह जांचें इस्पात निर्माता द्वारा स्वयं की जायेंगी प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा व उनका रिकार्ड रखा जायेगा। ऐसे जारी किये गये प्रमाणपत्र आगे उपयोग के लिये इन्स्पेक्टिंग अथॉर्टी द्वारा स्वीकार किये जायेंगे।

2. फाउन्ड्री/फोर्ज इकाईयां

जब बिलेट बार फोर्ज करने के लिये प्राप्त किये जायें व पहचान के लिये तैयार हो

(क) ठलाई/फोर्जिंग द्रव्य का रसायनिक विश्लेषण;

(ख) ठलाई/फोर्जिंग के जांच नमूने पर निशान लगाना व यांत्रिक जांच।

टिप्पण—ऊपर उल्लिखित किसी भी चीज के बावजूद जहां ठलाई/फोर्जिंग भारतीय बॉयलर विनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त सुप्रसिद्ध फाउन्ड्री/फोर्ज द्वारा बनाये गये हों यह जांच फाउन्ड्री/फोर्ज द्वारा स्वयं की जायेंगी प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा व उनका रिकार्ड रखा जायेगा। ऐसे जारी किये गये प्रमाण पत्र आगे उपयोग के लिये इन्स्पेक्टिंग अथॉर्टी द्वारा स्वीकार किये जायेंगे।

3. पाईप और ट्यूब निर्माता

(क) जब बिलेट, प्लेटें पहचान के लिये तैयार हों;

(ख) जब पाईप/ट्यूब जांच के लिये तैयार हों; और प्रसामान्यीकरण के पश्चात् यांत्रिक जांच के लिये चुनना;

(ग) जब जांच नमूने के लिये तैयार हों;

(घ) जब पाईप/ट्यूब द्वीय जांच या अविध्वंस्यतात्मक जांच के लिये तैयार हों।

टिप्पण—ऊपर उल्लिखित किसी भी चीज के बावजूद जब पाईप/ट्यूब भारतीय बॉयलर विनियम के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त पाईप/ट्यूब निर्माता द्वारा बनाई गई हों यह जांचें निर्माता द्वारा स्वयं की जायेंगी प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा रिकार्ड रखा जायेगा। निर्माता द्वारा ऐसे जारी किये गये भारतीय बॉयलर विनियम 1950 के विहित फार्म में प्रमाण पत्र आगे उपयोग के लिये इन्स्पेक्टिंग अथॉर्टी द्वारा स्वीकार किया जायेगा

4. सविरंचन कर्ता के कारखाने में वस्तुओं के सविरंचन पर किये जाने वाले निरीक्षण व जांच

निर्माता के कारखाने में ट्यूब/पाईप से जोड़-तोड़ से या सविरंचन से बनाये जाने वाले अवयवों के लिये

(क) द्रव्य की पहचान;

(ख) मापों की जांच करना;

(ग) द्वीय जांच

एफ. वाल्व और माउन्टिंग

(ए) जब ठलाई पूर्व द्रव्य जांच व जांचों के लिये चुनाव के लिये तैयार हो;

(बी) जब जांच नमूने जांच के लिये तैयार हों;

(सी) भारतीय बॉयलर विनियम के अन्तर्गत वांछित अविध्वंसात्मक जांचें;

(डी) जब अवयवों को मशीन किया और जोड़ा जाता है और इन्स्पेक्टिंग अथॉर्टी द्वारा अनुमोदित ड्राइंग के अनुसार माप जांचे जाते हैं;

(ई) अनुमोदित ड्राइंग के अनुसार द्वितीय जांच।

टिप्पण —ऊपर उल्लेखित किसी भी चीज के बावजूद, सुप्रसिद्ध फाउन्ट्री/फोर्ज आदि के मामले में निरीक्षण के पहले विचरण स्वयं फाउन्ट्री/फोर्ज द्वारा किये जायेंगे, प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा व रिकार्ड रखा जायेगा। ऐसे जारी किये गये प्रमाण आगे प्रयोग के लिए इन्स्पेक्टिंग अथॉर्टी द्वारा स्वीकार किये जायेंगे।

[मिसिल संख्या 6(10)/92-बॉयलर]

विजय कुमार गोयल, सचिव

पाद टिप्पण —मूल विनियम एस.आर.ओ. संख्या 600 दिनांक 15 सितम्बर 1950 से केवल अंग्रेजी में प्रकाशित किये गये थे व अन्तिम बार सा.का.नि. संख्या 178 व 179, भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3(i) दिनांक 24 मार्च 1990 से संशोधित किये गये।

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

(Central Boilers Board)

New Delhi, the 23rd June, 1993

G.S.R. 359.—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is hereby published, as required by sub-section (1) of section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of 45 days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Udyog Bhavan, New Delhi-110011.

DRAFT REGULATIONS

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Third Amendment) Regulations, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulation, 1950 (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 2,—

(a) after clause (c), the following clause shall be inserted, namely :—

“(cc)” calculation pressure”, in relation to a boiler, means the design pressure of

any part adjusted to take into account the pressure drops corresponding to the most severe conditions of pressure drop and hydraulic head;”

(b) after clause (dd), the following clause shall be inserted, namely :—

“(ddd) “design pressure” means,—

(i) in relation to a natural or assisted circulation boiler, the maximum allowable working pressure in the steam drum of the boiler;

(ii) in relation to a once through forced-circulation boiler, the maximum allowable working pressure at the final superheater steam outlet;”.

3. In the said regulations, in regulation 4, in sub-regulation (c), in paragraph (vi), in the Note, or paragraph (e), the following paragraph shall be substituted, namely :—

“(e) Each grade of steel is tested at three temperatures, namely 500°C, 550°C and 600°C for T 22 grade of steel and 460°C, 500°C and 550°C for T12 grade of steel and at three stress levels to give rupture lives of 1000, 3000, 10000 hours at each temperature and taking two specimens under each test condition in conformity with the Code/Specification to which the steel is made.”.

4. In the said regulations, in regulation 4A, after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(4) In case of foreign firms seeking recognition as “Wellknown Steel Maker”, “Well-known Pipe/Tube Maker”, “Wellknown Foundry” or “Well-known Forge”, a fee of \$ 10,000 (Ten Thousand US Dollars) only shall be deposited alongwith the complete questionnaire form. The Evaluation Committee

shall carry out the evaluation within 120 days of the receipt of the fees."

5. In the said regulation, for regulation 7, the following regulations shall be substituted, namely :—

"7. Boilers not in accordance with standard conditions :—

When the standard conditions are not complied with, the working pressure of the parts of the boiler as calculated from the formula specified in these regulations shall be reduced as follows :—

(a) when the certificate in Form II from the Inspecting Authority is not furnished—10%

(b) when there are no proofs of tests of steel—15%

7A. Registration of second hand Shell Type Boilers.—

(a) (i) Where all the requisite documents for registration are not furnished, the working pressure of the parts of the boiler as calculated from the formula in these regulations shall be reduced by 20% at the time of registration.

—(ii) The working pressure shall be further reduced after every 10 years of working of the boiler from the date of its registration as follows:

Period after the date of registration	Reduction in working pressure as calculated from the formula
10 Years	30%
20 Years	40%
30 Years	50%
40 Years	60%
50 Years	70%

(b) Where the requisite documents for registration are furnished, the working pressure of the parts of the boiler as calculated from the boiler shall be reduced as per the table given below from the date of first registration of the boiler (i.e. unused boilers):

TABLE

Age of the boiler (from the date of first registration) in years.	25	35	45	50	60	70	80	90	100
Reduction in working pressure	5%	10%	15%	20%	30%	40%	50%	60%	70%

6. In the said regulations, in regulation 61, in sub-regulation (a), the following proviso shall be added at the end, namely:—

"provided that the test may be dispensed with by the Inspecting Authority if the tube is subjected to non-destructive testing by an appropriate method like ultrasonic or./and Eddy current testing".

7. In the said regulations, in regulation 13, after sub-regulation (b) the following sub-regulation shall be inserted, namely:—

"(bb) In the construction of unfired boilers when the dished ends do not form a part of the heating surface, cold spun dished ends conforming to IS: 2825 may be used".

8. In the said regulations, for regulation 268, the following regulation shall be substituted, namely:—

"268. Hydraulic test at makers' works—

(a) Boiler drum and other cylindrical components having internal diameters greater than 600 millimetres shall be hydraulically tested on completion of manufacture at the makers' works in the presence of Inspecting Officer to $1\frac{1}{2}$ times the maximum permissible working pressure without indication of weakness and defects.

(b) All components which are not reasonably accessible for inspection after assembly into the boiler or have been tested hydraulically prior to welding at a pressure less than that specified in sub-regulation (a) shall be tested hydraulically to $1\frac{1}{2}$ times the maximum working pressure before assembly into the boiler.

(c) Tubular products that have been hydraulically tested to the required pressure prior to welding or ultrasonically tested shall not require further hydraulic testing as components provided they were joined during assembly by circumferential butt joint which have been welded and non-destructively tested as per relevant provisions, of these regulations.

- (d) Components other than tubular products shall not require hydraulic testing before assembly into the boiler if the completed boiler is tested hydraulically to $1\frac{1}{2}$ times the maximum permissible working pressure at site.
- (c) In case of drums, headers which are to be fitted with tubes, the test may be made before drilling of tube holes but after attachments of nozzles and similar fittings.
- (g) The test pressure shall be raised gradually under proper control at all times so that it is never exceeds by more than 6% of the required pressure and maintained for 30 minutes whereupon the pressure shall be reduced to maximum allowable working pressure and maintained for sufficient time to permit close visual inspection for leakages of the pressure parts.
- (g) The temperature of water used as medium of pressure testing shall not be less than 20°C and more than 50°C.
- (h) In case of drums of 'composite' construction and parts rivetted and parts welded seams or seamless forged drum shall with ends attached by fusion welding, the test pressure shall be the same as for fusion welded drums.
- (i) Should the hydraulic test reveal any defects in the welded seam, it shall not be repaired unless the Inspecting Authority permits to do so.
- (j) On completion of agreed repairs to a drum which has previously been stress relieved by heat-treatment, further heat-treatment, if required by the Inspecting Authority, shall be done and the drums shall again be subjected to hydraulic test."

9. In the said regulations, in regulation 310, for sub-regulation (1), the following shall be substituted, namely

"(1)—The permanent set in the spring (defined as the difference between free height and height measured ten minutes after the spring has been compressed solid three additional times, after pre-setting at room temperature) shall not exceed 0.5% of the free height."

10. In the said regulations, in regulation 320,—

(a) for sub-regulation (a), the following sub-regulation shall be substituted, namely —

"(a) Every boiler shall have two means of indicating the water in it of which one shall be conventional gauge glass.

Provided that in the case of boiler drums below 3 feet (91 cm) diameter where there is difficulty in fitting two water gauges two test cocks and a glass water gauge shall be fitted."

(b) sub-regulation (b) shall be omitted;

(c) sub-regulation (c) and (d) shall respectively be renumbered as sub-regulations (b) and (c);

(d) in sub-regulation (b) as so re-lettered,—

(i) for the figure and word "2 inches", the figures and word "50 millimetres" shall be substituted;

(ii) the following shall be added at the end, namely:—

"Minimum length of the visible portion of the gauge glasses shall be 200mms. The length may be increased depending upon the capacity of the boiler by the Chief Inspector/Director of Boiler of the manufacturing State."

11. In the said regulations, in regulation 357, in sub-regulation (b);—

(a) for words and figures "Figure Nos. 28 to 34", the words and figures "Figure Nos. 28 to 34A" shall be substituted.

(b) after type '7' and the entry relating thereto, the following shall be added, namely:—

"8, Socket welded flange Figure 34A."

(c) in the design conditions, the following shall be added at the end, namely:—

"Type 8 flanges for all design pressure and temperature conditions. This type shall be used only for pipes upto and including 51mms (2 inches) nominal bore. These flanges shall not be used where severe erosion or corrosion is expected to occur."

(d) after figure 34, the following figure shall be inserted, namely:—

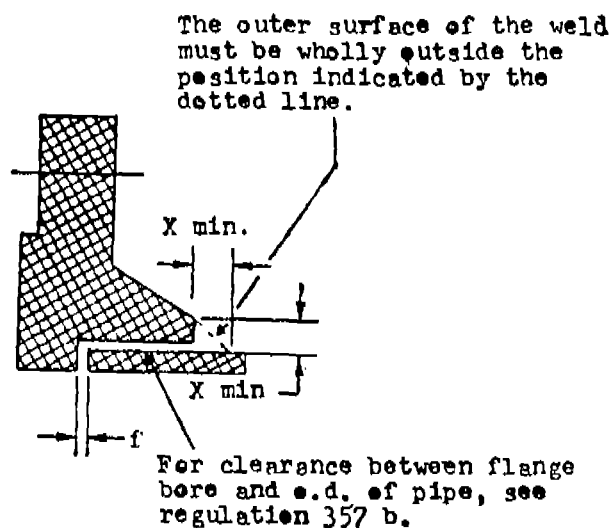


Figure No. 34A

$X \min$ = the lesser of $1.4t$ or the thickness of hub t = calculated thickness of the pipe derived from eqn. 91
 $f = 1.6\text{mm}$ (1/16 inch) approximately before welding.

SOCKET WELDED FLANGE

12. In the said regulations, in regulation 376, for sub-regulation (e) the following sub-regulation shall be substituted, namely,—

“(e) No blank flange/plug shall be inserted between a safety valve chest and the boiler generally and where it is permitted by the Inspector the blank flange/plug shall be removed in his presence”.

13. In the said regulation, in regulation 379, for sub-regulation (a), the following shall be substituted, namely:—

- “(a) (i) Subject to the provisions of sub-regulation (e) of regulation 381, every boiler shall be hydraulically tested after erection at site in presence of the Inspector to $1\frac{1}{2}$ times the maximum working pressure as certified by the Inspecting Authority in form II, to be stamped on the boiler, as free from any indication of weakness or defects.
- (ii) If all components of the boiler in the manufacturer's premises have not been tested hydraulically as per regulation 268, the test, on completion, shall be taken to $1\frac{1}{2}$ times the maximum working pressure.
- (iii) The temperature of the water used as medium of pressure testing shall not be less than 20°C and greater than 50°C .
- (iv) The test pressure shall be raised gradually under proper control at all times so that it is never exceeds by more than 6% of the required pressure and maintained for 30 minutes whereupon the pressure shall be reduced to maximum allowable working pressure and maintained for sufficient time to permit close visual inspection for leakage of pressure parts”.

14. In the said regulations, in regulation 382, in sub-regulation (a), in the list of States/Union Territories with their distinguishing letter, after the entry

“Manipur MA”, the following shall be inserted, namely:—

“Meghalaya ML”.

15. In the said regulations, for regulation 388, the following regulation shall be substituted, namely:—

“388. Transfer of Memorandum of Inspection Book and Registration Book:—On a boiler passing from one State to another, the following procedure shall be adopted for transfer of Memorandum of Inspection Book and Registration Book:—

- (a) The purchaser shall, on request, be given the information by the transferer State regarding the availability of the records within fifteen days.
- (b) The records shall be sent by the transferer State to the transferee State within 60 days of the receipt of the request from the transferee State.
- (c) In case the records are not received as stipulated above, the matter shall be brought to the notice of the Technical Adviser (Boilers) who will take up the matter with the concerned authorities.
- (d) In case the records are not traceable at all, new Registration number shall be given by the transferee State after getting clearance from the Central Boilers Board.”

16 In the said regulations, for regulation 391A, the following regulation shall be substituted, namely:—
“391A Ageing of boilers:—

(a) Shell Type Boilers

(i) In order to take the ageing effect on boilers, the working pressure of the parts of them as calculated from the formula in the these regulations shall be reduced as per the table given below:—

TABLE

Age of boiler exceeding (in years)	25	35	45	50	60	70	80	90	100
Maximum permitted working pressure percent	95	90	85	80	70	60	50	40	30

(ii) For these boilers the plates of which have already been cut and tested under regulations 7 and this regulation shall be given a further lease of life of 50 years from the date of the test of the boilers. The working pressure that shall be allowed after the testing shall be reduced as per the table given below:—

TABLE

Period after date of test (in years)	10	20	30	40	50
Maximum working pressure allowed (Percentage)	90	80	70	50	30

(b) Water Tube Boilers:

- (i) The boilers which are operating at a temperature of 400°C and above including utility/industrial boilers and all boiler parts operating in the creep range of the boilers shall be non-destructively tested after they are in operation for 100,000 hours for assessment of the remanent life of the parts;
- (ii) The parts of a boiler when it completes a life of 25 year are to be tested for assessment of the remanent life of such parts. If results are acceptable as per the standard laid down by the Central Boiler Board a certificate shall be issued by the Chief Inspector of Boiler for extending the life of the boiler for a further period of 10 years or such less period as recommended by the Remanent Life Assessment Organisation. This assessment of remanent life shall be carried out thereafter every five years by the organisations working in the field of boilers and remanent life and extension thereof after such organisation is approved by the Central Boilers Board. Such organisation shall work in close coordination with the office of the Technical Adviser (Boilers) in the field of remanent life assessment and extension. The working pressure of such boilers may be reduced on the recommendations of such approved organisation.”

17 In the said regulations, in regulation 393,—

(i) in sub-regulation (c), after the words and figures “regulation 385”, the words and figures “subject to a maximum of Rs 20 000/- shall be added.

(ii) after sub-regulation (d), the following sub-regulations shall be added, namely:—

“(e) The arrangement drawings showing the board details of modifications or conversions of the existing boiler shall be subject to the approval of the Chief Inspector of Boilers of the State where the boiler is intended for modification or conversion is registered.

(f) If the detailed manufacturing drawings are got approved by the Inspecting Authority of the State where parts will be manufactured and inspected, no separate compliance of sub-regulation (e) is required.”

18 In the said regulations, in regulation 395A, for sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(3) For inspection of tubes and pipes, the fees shall be charged at the rate of Rs 100/- per metric tonne or a fraction thereof”

19 In the said regulations, in regulation 395C, for sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted namely:—

“(1) Subject to a minimum inspection fee of Rs. 300/ per inspection for the valves, the inspection fee shall be charged as under:—

(a) Upto 25 mms	Rs 5/- per piece
(b) Above 25 mms and upto 50 mms	Rs 10/- per piece
(c) Above 50 mms and upto 100ms	Rs 20 /- per piece
(d) Above 100 mms and upto 250 mms	Rs 100/- per piece
(d) Above 250 mms	Rs 200/- per piece ”

20 In the said regulations, after regulation 395F, the following regulation shall be inserted, namely—

“395G Fee for inspection of spares and scantlings:—

The fees for inspection of spares and scantlings shall be charged as under:—

- (a) For outside surface area not exceeding 10 sft (0.93 m²).....Rs 300/-
- (b) For outside surface area exceeding 10 sft (0.93 m²) but not exceeding 30 sft (2.79 m²).....Rs 400/-
- (c) For OSA exceeding 30sft (2.79m²) but not exceeding 50 sft (4.65 m²) but not exceeding Rs. 450/-
- (d) For OSA exceeding 50sft (4.65 m²) but not exceeding 70 sft (6.50 m²).....Rs 550/-
- (e) For OSA exceeding 70 sft (6.50 m²) but not exceeding 90 sft (8.36 m²).....Rs 650/-..
- (f) For OSA exceeding 90 sft (8.36 m²) but not exceeding 110 sft (10.22 m²)Rs. 750/-

21 In the said regulations, in regulation 454 after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely:—

“(cc) In the construction of unfired boilers when the dished ends do not form a part of the heating surface, cold spun dished ends conforming to IS : 2825 may be used”

22 In the said regulations, in regulation 554, for fixtures XII/53, XII/54, and XII/56, the following figures shall be substituted, namely:

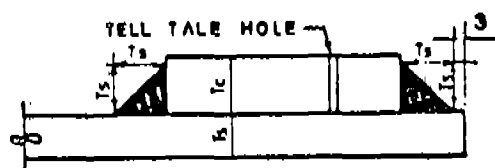


Figure No. XII/53

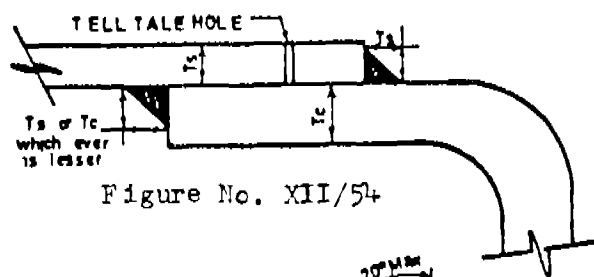


Figure No. XII/54

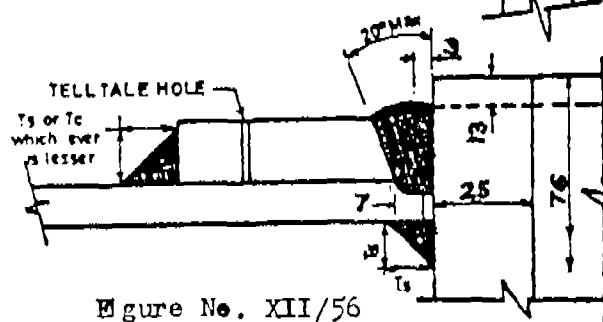


Figure No. XII/56

(DIMENSIONS IN MILLIMETERS)

23 In the said regulations, in regulation 611, in sub regulation (a), for the word “X-RAY”, the word “radio-graphic” shall be substituted

24 In the said regulations in Form JV relating to the Steel Maker's Certificate, for the portion beginning with "we hereby certify that" and ending with "in accordance with the standards", the following shall be substituted, namely:

"We hereby certify that the material described below has been made by M/s by the process, as per specifications and rolled by and has been satisfactorily tested in the presence of our Test House Manager or his representative in accordance with the stipulated tests and tolerances.

For gothic bars, scelps, billets and hot rolled strips which are to be processed further by the same manufacture for making tubes/pipes, the physical properties are not required to be mentioned by the steel manufacturer."

25 In the said regulations, for Appendix III, the following Appendix shall be substituted namely-

APPENDIX J

Inspection and Testing of Boilers during construction

GENERAL

The Inspecting Authority shall have access to the works of the manufacturer at all reasonable times and shall inspect the manufacture of the boiler at least at the following stages and may reject any part that does not comply with the requirements of the Indian Boiler Regulations, 1950. In case of any doubt, the Inspecting Authority may examine at any stage other than the stages stipulated below. The manufacturer shall give at least 4 working days' notice to the Inspecting Authority/Inspecting Officer before reaching each stage. Before undertaking any of the stage inspections, the Inspecting Authority/Inspecting Officer shall satisfy himself that the testing equipment/instrument has been properly calibrated.

Inspection during construction

Each boiler shall be inspected during construction by an Inspecting Officer nominated by the Inspecting Authority. Sufficient inspections shall be made to ensure that the materials, construction and testing conforms to the requirements of these regulations.

Stages of inspection during construction

A. Shell Type Boilers

- (a) (i) Check the identification marking on the plate with those recorded on the plate makers' certificates;
- (ii) Check the reported result of the mechanical and chemical properties on the plate makers' certificate against the requirements of the Indian Boiler Regulations, 1950.
- (iii) Witness the marking of the test plates for identification before they are cut from the parent plate or plates
- (b) When the Shell plates and end plates have been formed with plate edges prepared for welding and test plates are attached;
- (c) When the welding of main cylindrical shell is completed and checked for circularity;
- (d) To examine radiographs and/or reports of non-destructive testing;
- (e) When openings have been prepared and stand pipes and similar connections including end plates have been tackwelded in position and subsequently on completion;
- (f) When welding of drum or shell is complete and to check the records of heat-treatment when heat treatment is required under these regulations;
- (g) When weld test specimens have been prepared from the test plate, previously selected to witness the required testing;
- (h) During hydraulic test, followed by external and internal examination and stamping.

B. Water Tube Boilers:

1. Welded drums and headers

- (a) (i) When the plates are ready for identification with plate mill certificates at boiler makers' works and cut to size ready for forming to cylindrical shape;

- (ii) In laying out and cutting the plates, the plate identification mark shall be located so as to be clearly visible after the boiler part is completed. If the plate's identification mark is unavoidably cut out, it shall be transferred by the manufacturer to another part of the component to the satisfaction of the Inspecting Authority;
- (iii) The Inspecting Authority shall identify weld test plate material if production weld tests are required.
- (b) When the plates are formed to cylindrical shape with the edges prepared for welding and set up in readiness for commencement of welding and attachment of test plates.
- (c) When the welding of the main cylindrical shell is completed, the shell checked for circularity and the radiographic or ultrasonic test reports/records are available for scrutiny;
- (d) When the end plates are ready for identification with the mill certificate, formed to shape with weld edges prepared and set on to the cylindrical shell in readiness for the circumferential welding operation.
- (e) When the welding of the end plates to the drum or the header is complete and the radiographs or ultrasonic examination records are available for scrutiny;
- (f) When each drum or header is prepared to receive any compensation plates and attachments, and when at least 10% of each type of branch or tube stub is set up ready for welding ;
- (g) When all welding on each drum or header is complete, the Inspecting Authority will check the records of heat treatment, and mark off of specimens for preparation and testing from these plates;
- (h) At hydraulic test followed by external and internal examination and testing and stamping. On alloy steel drums thicker than 50 millimetres and high carbon steel drums thicker than 100 millimetres further non-destructive examination shall be done on drums, nozzle and stub weld after stress relief;
- (i) Any drum having tube holes drilled subsequently to the hydraulic test shall be further examined on completion of this work and prior to despatch from the manufacturers work.

C. Seamless Drums and Headers

- (a) When material is ready for identification with the steel maker's certificates of manufacture and test, also when each cylinder is prepared for forming, or welding of separate end closures and to identify test plate material;
- (b) When each plain shell drum or headers is prepared to receive compensation plates and attachments and a representative number of stand pipes, tubes or tube stubs, are set up ready for welding;
- (c) When all welding on each drum is complete and the radiographs or ultrasonic test records are available the Inspecting Authority shall check the record of heat treatment and the marking off preparation and testing of specimens from test plates;
- (d) At hydraulic test, followed by external and internal examination and stamping. On thick drums of high carbon or alloy material further non-destructive examination shall be done on drum nozzle and stub welds after stress relief.

D. Tubes and Internal Pipings.

- (a) When the tubes or pipes are ready for identification with the tube makers' certificate at the boiler makers' works and at least 10% of tubes and pipes are set up ready for welding;
- (b) When all welding of tubes or pipes and their attachments are complete and the non-destructive examination report/records are available for scrutiny.

E. Inspections and test to be carried out at Steel Makers' Works/Foundry/Forging Units and the pipe and tube makers' works by the Inspecting Authority:

1. Steel Makers' Works.

- (a) When the billets, plates, angle, bars or any other parts to be used in the construction of the boilers;
 - (i) checking of the chemistry of steel as per regulation;
 - (ii) marking the test specimen for the mechanical test;
 - (iii) Final testing.

Note:—Notwithstanding anything specified above where the steel is made by the Well-known Steel Maker as recognised under the Indian Boiler Regulations, 1950 by the Central Boilers Board, these tests will be carried out and certified by the Steel Makers themselves and the records maintained. The certificates so issued will be accepted by the Inspecting Authority for further use.

2. Foundry/Forging Units.

When billets bars for forging are received and ready for identification:

- (i) Chemical analysis of the casting/forging material.
- (ii) Marking and mechanical testing of the test specimen of castings/forgings.

Note:—Notwithstanding anything specified above, when the castings/forgings are made by well-known foundries/forging units as recognised under the Indian Boiler Regulations, 1950 by the Central Boilers Board then tests will be carried out and certified by the Foundries/Forgings themselves and all records are maintained properly. The certificates so issued shall be accepted by the Inspecting Authority for further use.

3. Pipe and Tube Makers;

- (a) When billets, plates are ready for identification;
- (b) When pipes/tubes are ready for examination; and selection of mechanical test after normalising;
- (c) When the test specimens are ready for testing;
- (d) When pipe/tubes are ready for hydraulic tests or the non-destructive examination.

Note:—Notwithstanding anything specified above when the pipes/tubes are manufactured by well-known pipes/tubes makers recognised under the Indian Boiler Regulations, 1950 by the Central Boilers Board, all the above stages of inspections shall be carried out and certified by the manufacturers of pipes and tubes themselves and records maintained. The certificates so issued by the manufacturers in the prescribed forms of Indian Boiler Regulations, 1950 shall be accepted by the Inspecting Authority for further use.

4. Inspection and tests to be carried out at the Fabricators' works for fabrication of items.

For parts manufactured from the tubes/pipes at the manufacturers' works either by manipulation or fabrication

- (a) Identification of materials;
- (b) Checking of dimensions;
- (c) Hydraulic test.

F. Valves and Mountings

- (a) When pre-casting materials are ready for examination and selection for tests;
- (b) When the test specimens are ready for test;
- (c) Non destructive testing as required under the Regulations;
- (d) When the parts are machined and assembled and are ready for dimensional check in accordance with the drawings approved by the Inspecting Authority.
- (e) Hydraulic test as per approved drawing.

Note:—Notwithstanding anything specified above, in case of well-known foundries/forges, etc., the first two stages of inspection will be carried out by the foundries/forges themselves, and certified and record maintained. The certificates so issued shall be accepted by the Inspecting Authority for further use".

[File No. 6 (10)/92-Boilers]
V.K. GOEL, Secy.

Footnote:—The principal regulations were published as S.R.O. No. 600, dated 15th September, 1950 and last amended vide G.S.R. Nos. 178 and 179 published in the Gazette of India Part-II, Section 3(i), dated 24th March, 1990.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 25 जून, 1992

सा.का.नि. 360.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय राजस्व रसायन सेवा (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1966 को अधिकांश करते हुए, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के अधीन केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला में समूह "क" और समूह "ख" पदों की भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय राजस्व निपटण प्रयोगशाला (समूह “क” और समूह “ख” पद) भर्ती नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना : ये नियम इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे, जो उक्त उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएं आदि : उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निहंताएं : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की सं.	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	2	4	5	6	7
1. मुख्य रसायनज्ञ	1* (1992) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह ‘क’, राजपत्रित अनुसूचित नियम	5900-200-6700 रुपये	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं			सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोहृत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं			परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो
लागू नहीं होता			लागू नहीं होता			कुछ नहीं

भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

11

12

प्रोन्नति द्वारा

टिप्पण: 2000-2500 -रु. के पुनरीक्षण-पूर्व वेतनमान में, जिसे चौथे वेतन आयोग द्वारा 5900-6700 रु. के पुनरीक्षित वेतनमान में उन्नत कर दिया गया है, मुख्य रसायनज्ञ के पद के ऐसे नियमित पदधारी, जिसने इन नियमों की अधिसूचना की तारीख को या उससे पहले 2000-2500 रु. और/या 4500-5700 -रु. वेतनमान में तीन वर्ष नियमित सेवा की पात्रता सेवा पूरी कर ली है, पात्रता सेवा पूरी करने की तारीख से 5900-6700 -रु. के पुनरीक्षित वेतनमान वाले पद पर नियुक्त किया गया समझा जाएगा।

प्रोन्नति:

ऐसा उप मुख्य रसायनज्ञ जिसमें उस श्रेणी में आठ वर्ष नियमित सेवा की है जिसके अन्तर्गत अकृत्यिक चयन श्रेणी में यदि कोई हो, की गई सेवा भी है।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।

13

14

(प्रोन्नति के संबंध में विचार करने के लिए)

समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति:

1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष
2. सचिव (राजस्व)—सदस्य।
3. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड—सदस्य।
4. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जाएगा)—सदस्य।

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक नहीं है।

1	2	3	4	5	6	7
2. उप मुख्य रसायनज्ञ	8* (1993) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	माधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क', राजपत्रित, अनुसूचित विषय	3700-125-4700- 150-5000 रु. और 4500- 150-5700 रु. के वेतनमान में दो पद। टिप्पण: उप मुख्य रसायनज्ञ के दो पद 4500-5700 रु. के वेतनमान में अकृत्यिक चयन श्रेणी के पद के रूप में माने जाएंगे। इन पदों पर नियुक्ति, उप मुख्य रसायनज्ञ के पद के ऐसे नियमित पदधारियों में से, जिन्होंने उस श्रेणी में चार वर्ष नियमित सेवा पूरी कर ली है, अकृत्यिक चयन श्रेणी में नियुक्ति के लिए चयन से संबंधित मार्गदर्शक सिद्धान्तों का अनुसरण करते हुए ज्येष्ठता सह-उपयुक्तता के आधार पर की जाएगी। (विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे:— (1) अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

(2) सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जायेगा) और (3) मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोग-शाला)।

8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	कुछ नहीं
11		12

प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है)।

प्रोन्नति :

ऐसा रसायन परीक्षण श्रेणी-I, जिसमें उभय श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है)

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/पब्लिक सेक्टर उपक्रमों/विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों/अर्द्ध-सरकारी स्व-शासी संगठनों के ऐसे अधिकारी

(क) (i) जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण किए हुए हैं; या

(ii) जिन्होंने 3000-4500 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ख) जिनके पास निम्नलिखित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं :—

(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में मास्टर उन्नती या समतुल्य।

(2) विभिन्न वस्तुओं के रासायनिक विश्लेषण/विश्लेषणात्मक/कार्बनिक/अकार्बनिक रसायन विज्ञान में अनुसंधान का मात वर्ष का अनुभव।

वांछनीय :

विश्लेषण के स्पेक्ट्रोस्कोपी और क्रोमोटोग्राफिक पद्धतियों में प्रशिक्षण/अनुभव।

(पोषक प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में है प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्त व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया पांच वर्ष से अधिक नहीं होंगी। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

13

(प्रोत्पत्ति के संबंध में विचार करने के लिए)

समूह 'क' विभागीय प्रोत्पत्ति समिति :

1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष।
2. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड—सदस्य
3. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा नाम-निर्दिष्ट किया जायगा)—सदस्य।
4. मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला सदस्य।

14

किसी अधिकारी का प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण/संविदा द्वारा नियुक्ति के लिए चयन करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

1	2	3	4	5	6	7
3. रसायन परीक्षा श्रेणी-I	17* *(1993) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क', नाजयत्तिय, अननुसंधितीय	3000-100-3500-125-4500 रु.	चयन	40 वर्ष से अधिक नहीं। (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।) टिप्पण : आयु-सीमा अध्यापित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, निककम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खण्ड, हिमाचल प्रदेश के बाहौर और स्कोति जिले तथा चम्बा-जिले के पामी उपखंड, अंदमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए शिथिल की गई है।)	नहीं

8

9

10

- आवश्यक : आयु-नहीं सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए एक वर्ष।
- (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान में मास्टर डिग्री या समतुल्य। शैक्षिक अर्हता : नदी, डिग्री जिसके पास किसी
 - (2) विभिन्न वस्तुओं के रासायनिक विश्लेषण/विश्लेषणात्मक कार्बनिक/अकार्बनिक रसायन विज्ञान में अनुसंधान या पांच वर्ष का अनुभव। मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में बैचलर आफ साइंस (फार्मसी) डिग्री या समतुल्य है।

टिप्पणी : 1. अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।

2. अनुभव संबंधी अर्हता, संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुभूति जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में सब शिथिल की जा सकती है, जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए धारित शक्तियों को भरने के लिए अंशित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

यांछनीय :—विश्लेषण के स्पेक्ट्रोस्कोपी और फोटोवोल्टिक पद्धतियों में प्रशिक्षण/अनुभव।

11

12

7.5 प्रतिष्ठान प्रोन्नति द्वारा, जिसके तहत हो सकते पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) (द्वारा 2.5 प्रतिष्ठान सीधी भर्ती द्वारा।

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/पब्लिक सेक्टर उपक्रमों/विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थाओं/अर्द्ध-सरकारी स्थापनाओं/संगठनों के ऐसे अधिकारी:

- (क) (i) जो नियमित आधार पर सदस्य पद धारण किए हुए हैं; या
(ii) जिन्होंने 2000-4000 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है; और
(ख) जिसके पास कम से कम 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अहंताएं और अनुभव है।

नौषक प्रयोग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में है प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काउंटर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकांश आयु-सीमा आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

13

14

(प्रोन्नति के संबंध में विचार करने के लिए)

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति:

1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग--अध्यक्ष
 2. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड--सदस्य
 3. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा)--सदस्य
 4. मुख्य रसायनज्ञ/उप मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला--सदस्य
- (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति:
1. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड--अध्यक्ष
 2. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा)--सदस्य
 3. मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला--सदस्य

टिप्पणी: सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

प्रोन्नति:---

ऐसा रसायन परीक्षक श्रेणी 2, जिसने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी है)।

सीधी भर्ती और किसी अधिकारी का प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/पब्लिक पर चयन करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

1	2	3	4	5	6	7
4. रसायन परीक्षक श्रेणी-2	26* (1993)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "क" राजपत्रित	2000-75- 2800-व.रो.- 100-4000	चयन	35 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए अनुसूचों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।) टिप्पणी: आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। न कि वह अंतिम तारीख जो ग्रामम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम, जम्मू कश्मीर राज्य के नदराव खंड, हिमाचल प्रदेश के नार्लन और स्फोति जिले तथा पश्चा जिले के पंगी उपखंड, अंशमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है।	नहीं

8	9	10
आवश्यक :	आयु: नहीं	प्रोन्नति व्यक्तियों के लिए दो वर्ष और सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए एक वर्ष।
(1) किसी भाष्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायनज्ञ विज्ञान में मास्टर डिग्री या समतुल्य		
(2) विभिन्न वर्गों के सामायितिक विश्लेषण/विश्लेषणात्मक/कार्यात्मक/अकार्यात्मक रसायन विज्ञान में अनुसंधान का तीन वर्ष का अनुभव		
टिप्पण 1--प्रवृत्ताएं अन्यथा सूचित अभ्यर्थियों की दशा में, संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।		
टिप्पण 2--अनुभव संबंधी प्रवृत्ता संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है जब भयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।		
बांछनीय : विश्लेषण के स्पेक्ट्रोस्कोपी और क्रोमोटोग्राफिक पद्धतियों में प्रशिक्षण/अनुभव।		

11	12
70 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, 30 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : ऐसा सहायक रसायन परीक्षक, जिसने उस श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की है।
13	14

(प्रोन्नति के संबंध में विचार करने के लिए) समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति :

1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग; - अध्यक्ष
2. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड--सदस्य
3. सचिव, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा) --सदस्य

प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

क. मुख्य रसायनज्ञ/उप मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला--सदस्य
(पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति

1. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड-- अध्यक्ष
2. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा) --सदस्य
3. मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला--सदस्य

टिप्पण : सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

1	2	3	4	5	6	7
5. सहायक रसायनज्ञ परीक्षक	66* (1993) *कार्यभार के आधार पर परियोजना दिया जा सकता है	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ब", राजपत्रित, अनुसूचितबीय	2000-60- 2300-दरी- 75-3200- 100-3500 रु.	भयन	30 वर्ष से अधिक नहीं। (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनु- देशों या प्रादेशों के अनुसार सरकारी व्यक्तियों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।	नहीं

1	2	3	4	5	6	7
					<p>टिप्पण :--आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिज़ोरम, मणिपुर, नागा-लैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा-जिसे के पांगो उपखंड, अंडमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए बिहित की गयी है)।</p>	
		8	9		10	
आवश्यक :			आयु : नहीं		दो वर्ष	
(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में मास्टर डिग्री या समतुल्य			शैक्षिक अर्हता : नहीं,			
(2) विभिन्न वस्तुओं के रासायनिक विश्लेषण/विश्लेषणात्मक/कार्बनिक/अकार्बनिक रसायन विज्ञान में अनुसंधान का दो वर्ष का अनुभव ।			किन्तु जिसके पास किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में बैचलर आफ साइंस (मानर्स) डिग्री या समतुल्य है ।			
<p>टिप्पण : 1. अर्हताएं अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है ।</p> <p>टिप्पण : 2. अनुभव संबंधी अर्हता (संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की वशा में तब शिथिल की जा सकती है) जब ज्ञात के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है ।</p>						
11			12			
66-2/3 प्रतिगत प्रोन्नति द्वारा, 33-1/3 प्रतिगत सीधी भर्ती द्वारा ।			प्रोन्नति :- ऐसा रसायनज्ञ सहायक श्रेणी-I, जिसने उक्त श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की है ।			
13			14			
(प्रोन्नति/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति :--			सीधी भर्ती करते समय, संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है ।			
1. मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला--अध्यक्ष						
2. उप मुख्य रसायनज्ञ (जो मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जावेगा)--सदस्य						
<p>टिप्पण : -- सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्ति की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ नैजी जाएंगी । किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी ।</p>						

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 25th June, 1993

G.S.R. 360.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Revenues Chemical Service (Class I and II posts) Recruitment Rules, 1966, the President hereby makes the following rules for regulating the method of recruitment to Group 'A' and Group 'B' posts in Central Revenues Control Laboratory under the Ministry of Finance, Department of Revenue, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Revenues Control Laboratory (Group 'A' and Group 'B' Posts), Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed with these rules.

3. Number of posts, classification and scales of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall

be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to Relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving :— Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Posts	No. of Post	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-Selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6	7
Chief Chemist	1* (1993)	General Central Service Group 'A' Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 5900-200-6700	Selection	Not applicable	Not applicable

*Subject to variation dependent on workload.

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods			
8	9	10	11			
Not applicable	Not applicable	Nil	By promotion : Note : The regular incumbent of the post of Chief Chemist in the pre-revised scale of Rs. 2000-2500 which has been upgraded to the revised scale of Rs. 5900-6700 by the Fourth Pay Commission, who has completed the eligibility service of three years regular service in Rs. 2000-2500 and/or 4500-5700 on or before the date of notification of these rules, shall be deemed to have been appointed to the post in the revised scale of pay of Rs. 5900-6700 from the date of completion of the eligibility service.			
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grade from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment				
12	13	14				
Promotion : Deputy Chief Chemist with eight years' regular service in the grade including service, if any, in non-functional selection grade	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering promotion) : 1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman 2. Secretary (Revenue)—Member 3. Chairman, Central Board of Excise and Customs—Member 4. Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs)—Member	Consultation with the Union Public Service Commission not necessary.				
1	2	3	4	5	6	7
Deputy Chief Chemist	8* (1993) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 3700-125-4700-150-5000 with two posts in the scale of Rs. 4500-150-5700. Note : Two posts of Deputy Chief Chemist will be operated as non-functional selection grade posts in the scale of Rs. 4500-5700. Appointment to these posts will be made from amongst regular incumbents of the posts of Deputy Chief Chemist who have completed four years' regular service in that grade, on seniority-cum-fitness basis following the guidelines relating	Selection	Not applicable	Not applicable

to selection for appointment to non-functional selection grade. (Departmental Promotion Committee will comprise of (1) Chairman, Central Board of Excise and Customs
(2) Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs) and (3) Chief Chemist Central Revenues Control Laboratory.

8	9	10	11
Not applicable	Not applicable	Nil	By promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract)
12	13	14	
<p>Promotion :</p> <p>Chemical Examiner Grade-I with five years' regular service in the grade.</p> <p>Transfer on deputation (including short-term contract) :</p> <p>Officers of the Central/State Governments/Public Sector Undertakings/Universities/Research Institutes/Semi-Government/Autonomous Organisations—</p> <p>(a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with five years' regular service in posts in the scale of Rs 3000-4500 or equivalent; and</p> <p>(b) possessing the following educational qualifications and experience:—</p> <p>Essential :</p> <p>(i) Master's Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) Seven years' experience in Chemical Analysis of different commodities/Research in analytical/Organic/Inorganic Chemistry.</p> <p>Desirable :</p> <p>Training/experience in spectroscopic and chromatographic methods of analysis.</p> <p>The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other Organisation/Department of the Government shall ordinarily not exceed five years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term contract) shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).</p>	<p>Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering Promotion) :</p> <p>1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman</p> <p>2. Chairman, Central Board of Excise and Customs—Member</p> <p>3. Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman Central Board of Excise and Customs—Member</p> <p>4. Chief Chemist, Central Revenues Control Laboratory—Member.</p>	<p>Consultation with the Union Public Service Commission necessary while selecting an officer for appointment by transfer on deputation/contract.</p>	

1	2	3	4	5	6	7
Chemical Examiner Grade-I	17* (1993) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 3000-100- 3500-125-4500	Selection	Not exceeding 40 years (Relaxable for Govern- ment servants upto five years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note.—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba district of Himachal Pradesh, the Union territory of the Andaman and Nicobar Island or the Union territory of Laksha- dweep)	No.

8	9	10	11
Essential : (i) Master's Degree in Chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) Five years' experience in Chemical Analysis of different commodities/ Research in Analytical/Organic/ Inorganic Chemistry.	Age : No Educational Qualification : No, but must possess Bachelor of Science (Honours) Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent.	One year for direct recruits.	75% by promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract) 25% by direct recruitment.
<p>Note : 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p> <p>Desirable : Training/experience in spectroscopic and chromatographic methods of analysis.</p>			

12

13

14

Promotion :

Chemical Examiner Grade-II with five years' regular service in the grade.

Transfer on deputation (including short-term contract) :

Officers of the Central/State Governments/Public Sector Undertakings/Universities/Research Institutes/Semi-Government/Autonomous Organisations—

(a) (i) holding analogous posts on a regular basis; or

(ii) with five years' regular service in posts in the scale of Rs. 2200-4000 or equivalent; and

(b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.

The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. (period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term contract) shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).

Group 'A' Departmental Promotion

Committee (for considering promotion):

1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman
2. Chairman, Central Board of Excise and Customs—Member
3. Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs)—Member
4. Chief Chemist/Deputy Chief Chemist, Central Revenues Control Laboratory—Member

Group 'A', Departmental Promotion

Committee (for considering confirmation) :

1. Chairman, Central Board of Excise and Customs—Chairman
2. Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs)—Member
3. Chief Chemist, Central Revenue Control Laboratory—Member

Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

Consultation with the Union

Public Service Commission necessary while making direct recruitment and selecting an officer on transfer on deputation/contract

1

2

3

4

5

6

7

**Chemical Examiner
Grade-II**

**26*
(1993)**

**General Central
Service
Group 'A'
Gazetted
Non-Ministerial**

**Rs. 2200-75-
2800-EB-100-
4000.**

Selection.

**Not exceeding 35 years
(Relaxable for Govern-
ment servants upto five
years in accordance
with the instructions
or orders issued by the
Central Government).
Note : The crucial date
for determining the age
limit shall be the
closing date for receipt
of applications from
candidates in India
(and not the closing
date prescribed for
those in Assam,
Meghalaya, Arunachal
Pradesh, Mizoram,
Manipur, Nagaland,
Tripura, Sikkim,
Ladakh Division of
Jammu and Kashmir'
State, Lahaul and Spiti
District and Pangi
Sub-Division of Chamba
District of Himachal
Pradesh, the Union
territory of the Andaman
and Nicobar Island or
the Union territory of
Lakshadweep).**

No.

*Subject to variation
dependent on workload

8	9	10	11
Essential :	Age : No	Two years for	70% by promotion;
(i) Master's Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent.	Educational Qualification : No., but must possess Bachelor of Science (Honours) Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent.	promotees and one year for direct recruits	30% by direct recruitment.
(ii) Three years' experience in Chemical analysis of different commodities/ Research in analytical/Organic/ Inorganic Chemistry.			
Note : 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.			
2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.			
Desirable :			
Training/experience in spectroscopic and Chromotographic methods of analysis.			

12	13	14
Promotion :	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering promotion) :	Consultation with the Union Public Service Commission necessary on each occasion.
Assistant Chemical Examiner with three years' regular service in the grade.	1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman, 2. Chairman, Central Board of Excise and Customs—Member, 3. Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs)—Member. 4. Chief Chemist/Deputy Chief Chemist, Central Revenues Control Laboratory —Member.	
	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation):	
	1. Chairman, Central Board of Excise and Customs—Chairman, 2. Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs)—Member. 3. Chief Chemist, Central Revenue Control Laboratory—Member.	
	Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	

SCHEDULE

1	2	3	4	5	6	7
Assistant Chemical Examiner.	66* (1993)	General Central Service, Group 'B', Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 100-3500.	Selection.	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto five years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	No

*Subject to variation dependent on workload.

Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu & Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, the Union territory of the Andaman and Nicobar Island or the Union territory of Lakshadweep).

8	9	10	11
Essential : (i) Master's Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent. (ii) Two year's experience in Chemical analysis of different commodities/Research in analytical/Organic/Inorganic Chemistry.	Age : No Educational Qualification : No. but must possess bachelor of Science (Honours) degree in Chemistry from a recognised University or equivalent.	Two years.	66-2/3% by promotion; 33-1/3% by direct recruitment
<p>Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p>			

12	13	14
Promotion : Chemical Assistant Grade-I with three years' regular service in the grade.	Group 'B' Departmental Promotion Committee (for considering promotion/confirmation) : 1. Chief Chemist, Central Revenues, Control Laboratory—Chairman. 2. Two Deputy Chief Chemists (to be nominated by Chief Chemist, Central Revenues Control Laboratory—Members. Note: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment.

[No. 1/F. No. A—12018/3/91-Ad.II-B]

K. MAJHI, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 जून, 1993

मा.का.नि. 361 :--राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और वाणिज्य मंत्रालय (आर्थिक सलाहकार) भर्ती नियम, 1986 को, उन बातों के सिवाय अधीकृत करते हुए, जिन्हें ऐसे अधीकरण से पहले किया गया है, या करने का खोप किया गया है, आर्थिक सलाहकार के पद पर भर्ती का पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्:--

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य मंत्रालय (आर्थिक सलाहकार) भर्ती नियम, 1993 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:--उक्त पद का संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा, जो इन नियमों के उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ (2) से स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट हैं।
3. भर्ती का पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि:--उक्त पद पर भर्ती का पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ (5) के स्तम्भ (14) में विनिर्दिष्ट हैं।
4. निरुद्धता:--वह व्यक्ति--
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,
उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. शिथिल करने की शक्ति:--जहां केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संबंधित सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों का बाध, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती है।

6. व्यावृत्ति:--इन नियमों का कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुज्ञेय जातियों, अनुज्ञेय जनजातियों, मूलपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	न्यून पद अथवा अल्पयुक्त पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं।
1	2	3	4	5	6	7
आर्थिक सलाहकार	1* (1993)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपत्रित	5900-200-7300 रु.	लागू नहीं होता	50 वर्ष से अधिक नहीं। (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनु-देशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।	
	*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	अनुसूचिकीय				

टिप्पण:--आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निम्नलिखित तारीख भारत में अध्यापिकाओं से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा जम्मू जिले के पांगी उपखंड, अंडमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अध्यापिकाओं के लिए विहित की गई है)।

भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होनी या नहीं।

परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो।

8

9

10

भावश्यक :

- (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएच.डी. या समतुल्य।
- (2) योजनाओं/नितियों/कार्यक्रमों के अनुसंधान/योजना बनाने/कार्यन्वयन/मूल्यांकन में 15 वर्षों का अनुभव।
- (3) भारत में और विदेश में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और मुद्रा नीति में सामयिक विकास का अनुभव।

लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए एक वर्ष।

टिप्पण : 1. अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पण : 2. अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।

11

12

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण

(जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) द्वारा जिसके नहीं सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है)। केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों/भारतीय रिजर्व बैंक भारतीय अनुसूचित बैंक/विश्वविद्यालयों/मान्यताप्राप्त अनुसंधान संस्थानों के अधीन ऐसे अधिकारी :—

- (क) (1) जो नियमित आधार पर सर्वश्रेष्ठ पद धारण किए हुए हैं; या
 - (2) जिन्होंने 5900-6700 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर दो वर्ष नियमित सेवा की है, या
 - (3) जिन्होंने 4500-5700 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पाँच वर्ष नियमित सेवा की है; और
 - (ख) जिसके पास स्तंभ 8 के अधीन, सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित अर्हताएं और अनुभव हैं।
- (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किस अन्य काबू-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया पाँच वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

(पुष्टि के संबंध विचार करने के लिए) समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति :

1. सचिव, वाणिज्य मंत्रालय—अध्यक्ष
2. अपर सचिव—सदस्य

प्रत्येक अवसर पर, संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

टिप्पण : — सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियाँ, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi. 4th June, 1993

G.S.R. 361.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Commerce Economic Adviser Recruitment Rules, 1986, except as respects things done or omitted to have been done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Economic Adviser namely :—

1. Short title and Commencement :— (1) These rules may be called the Ministry of Commerce (Economic Adviser) Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay :—The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed hereto these rules.

3. Method of recruitment, age limit qualifications etc. :—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns (5) to (14) of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications :— No person

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing, and in consultation, with the Union Public Service Commission, relax any of the provision of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations relaxation of age and other concessions required to be provided for the scheduled castes the Scheduled Tribes Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	scale of Pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruit.	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Economic Adviser	1* (1993)	General Central Service, Group 'A' Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 5900-200-7300.	N.A.	Not exceeding 50 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	Yes.

*Subject to variation dependent on workload.

Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh division of J&K States Lahaul & Spiti district and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep.)

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct rectt. or by deputation/promotion transfer & percentage of the vacancies to be filled by various method.
(8)	(9)	(10)	(11)
Essential : (i) Ph. D. in Economics from a recognised University or equivalent; (ii) 15 years experience in research/Planning/ formulation, implementation/evaluation of plans/policies/programmes, and (iii) Experience in current development in the International trade and monetary policy in India and abroad. Note : 1 Qualifications are relaxable at the discretion of U.P.S.C. in case of candidates otherwise well qualified. Note : 2 The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection the U.P.S.C. is of the opinion that sufficient number of candidates from other communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.	N.A	One year direct recruits.	Transfer on deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment.
In case of rectt. by promotion/deputation or transfer, grade from which promotion/deputation /transfer to be made.	If a PDC exists, what is the composition.		Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making recruitment.
(12)	(13)		(14)
Transfer on Deputation (including short-term contract): Officers under the Central Govt./State Govt. Union Territories/Reserve Bank of India/Scheduled Bank of India Universities/Recognised Research Institutes :— (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with two years' regular service in posts in the scale of Rs. 5900-6700 or equivalent; or (iii) with 5 years' regular service in the scale of Rs 4500-5700; or equivalent; and (b) Possessing qualifications and experience prescribed for a direct recruits under Column 8. (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment the same or some other organisation department of the Central Government shall not exceed 5 (Five) years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation(including short-term contract) shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).	Gr. 'A' DPC. (for considering of cases of confirmation): 1. Secretary Ministry of Commerce—Chairman. 2. Additional Secretary—Member. (Note : The proceedings of the DPC relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the chairman or member of the UPSC shall be held).		Consultation of UPSC necessary on each occasion.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 जून, 1993

सा. का. नि. 302 :—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली (ट्रेसर) भर्ती नियम, 1988 और केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना संगठन दिल्ली से बाहर में समूह "घ" पद (भर्ती नियम 1986) को जहाँ तक उनका संबंध ट्रेसर के पद से है उन बातों के सिवाय अधिकांत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है, या करने का लोप किया गया है केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में ट्रेसर के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थातः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (ट्रेसर) भर्ती नियम, 1993 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन का तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद का संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों से उगाकर अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।
3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 13 में विनिर्दिष्ट हैं।
4. निरहंता : वह व्यक्ति :—
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह है या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।
- परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रुत है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।
5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।
6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6
ट्रेसर	411* (1993) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया किया जा सकता है। इलाहाबाद—10 अहमदाबाद—8 मुंबई—35 बंगलौर—23 कलकत्ता—28 दिल्ली—177 हैदराबाद—25 जयपुर—10 कानपुर—15 लखनऊ—10 मद्रास—22 मेरठ—10 नागपुर—10 पटना—9 पुणे—14 रांची—1 जबलपुर—3 भुवनेश्वर—1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" भराजपत्रित	800-15- 1-10द. रो.- 20-1150 रुपये	अवयम	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि यदि कोई हो।
अवधि अर्हताएं विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्य-
क्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

7	8	9
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	2 वर्ष

भर्ती की पद्धति: सभी सीधे होंगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्या-
नांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों
की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्यानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां
जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्यानांतरण किया जाएगा।

10	11
शत-प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा।	ऐसा पसिग अदाली, जिसने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसका संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श
किया जाएगा।

12	13
----	----

समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति निम्नलिखित से मिलकर बनेगी :-

लागू नहीं होता।

I. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली

1. अपर उप निदेशक (मुख्यालय) -- अध्यक्ष
2. मुख्य चिकित्सा अधिकारी -- सदस्य
3. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का एक राजपत्रित अधिकारी -- सदस्य
4. संबंधित प्रशासनिक अधिकारी -- सदस्य

II. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से बाहर

1. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के सम्बद्ध कार्यालय में अपरनिदेशक/
उप निदेशक -- अध्यक्ष
2. सारसाधक चिकित्सा अधिकारी -- सदस्य
3. केन्द्रीय सरकार के किसी कार्यालय, अधिमानतः स्वास्थ्य सेवा महा-
निदेशालय या केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना से भिन्न उसके किसी
अधीनस्थ कार्यालय से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का समूह
'क' अधिकारी -- सदस्य
4. संबंधित केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना कार्यालय का प्रशासनिक
अधिकारी जहाँ यदि कोई प्रशासनिक अधिकारी नहीं है वहाँ केन्द्रीय
सरकार के किसी कार्यालय का समूह "क" अधिकारी -- सदस्य

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 18th June, 1993

G.S.R. 362:—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Government Health Scheme, Delhi (Dresser), Recruitment Rules, 1988 and the Central Government Health Scheme (Group D posts in organisations outside Delhi) Recruitment Rules, 1986, in so far as they relate to the post of Dresser, except as respect of things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Dresser in the Central Government Health Scheme, namely:—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Central Government Health Scheme, (Dresser) Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay : The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc : The method of recruitment, age limit,

qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification : No. person, (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any other person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government, may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax: Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving:— Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

THE SCHEDULE

Name of the post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection or Non-selection
1	2	3	4	5
Dresser	*411 (1993)	General Central	Rs. 800-15-1010-	Non-selection
	Allahabad	— 10 Service, Group 'D'	EB-20-1150.	
	Ahmedabad	— 8 Non-Gazetted,		
	Bombay	— 35 Non-Ministerial.		
	Bangalore	— 23		
	Calcutta	— 28		
	Delhi	— 177		
	Hyderabad	— 25		
	Jaipur	— 10		
	Kanpur	— 15		
	Lucknow	— 10		
	Madras	— 22		
	Meerut	— 10		
	Nagpur	— 10		
	Patna	— 9		
	Pune	— 14		
	Ranchi	— 1		
	Jabalpur	— 3		
	Bhubaneshwar	— 1		

*Subject to variation dependent on work load.

Age for direct recruits	Education and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods
6	7	8	9	10
Not applicable	Not applicable	Not applicable	Two years	100% by promotion.
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer/grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, which is its composition		Which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	
11	12		13	
Nursing orderly with 3 years regular service in the grade.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of :— I. Central Government Health Scheme, Delhi (1) Addl. Dy. Director General (Head Quarters) —Chairman (2) Chief Medical Officer —Member (3) A Gazetted Officer belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe —Member (4) Administrative Officer concerned—Member II. Central Government, Health Scheme, outside Delhi. (1) Addl. Director/Dy. Director in the concerned office of the CGHS —Chairman (2) Medical Officer Incharge —Member (3) Gr. A Officer of any Central Government office preferably from Dte. General of Health Services or its subordinate offices other than CGHS, belonging to SC/ST —Member (4) Administrative officer of the respective CGHS office where there is no Administrative Officer, Gr. 'A' officer of any Central Government office. —Member		Not applicable	

[No. A-12018/1/91-CGHS-I/CGHS(P)]
BRAHAM DEV, Under Secy.

शहरी विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 जून, 1993

मा.का.नि. 363.—गरीबों के लिए शहरी बुनियादी सुविधाओं की योजना को सरकार द्वारा आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान कार्यान्वयन हेतु केन्द्र प्रवर्तित योजना के रूप में अनुमोदित किया गया है।

नगर/शहर स्तर पर योजना के कार्यान्वयन में शहरी स्थानीय निकाय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला स्तर पर जिला शहरी विकास एजेंसियां तथा राज्य स्तर पर सचिव स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में राज्य शहरी विकास एजेंसियां/राज्य स्तरीय

निरीक्षण समिति योजना के कार्यान्वयन का प्रबोधन करती है। राष्ट्रीय स्तर पर योजना का प्रबोधन करने के लिए योजना के दिशा निर्देशों में राष्ट्रीय प्रबोधन समिति के गठन का प्रावधान किया गया है। तदनुसार एतद्वारा राष्ट्रीय प्रबोधन समिति गठित की गई है जिसकी संरचना इस प्रकार है —

(क) सचिव शहरी विकास मंत्रालय	अध्यक्ष
(ख) संयुक्त सचिव (यूबी) शहरी विकास मंत्रालय	सदस्य
(ग) संयुक्त सचिव (वित्त) शहरी विकास मंत्रालय	सदस्य
(घ) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय महिला एवं बाल विकास विभाग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) तथा शिक्षा विभाग, एन एफ ई प्रभाग) मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रतिनिधि	सदस्य
(ङ) चार राज्यों/संघशासित प्रदेशों के सचिव नोडल अधिकारी जिन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए क्रमवार प्राधार पर नियुक्त किया जायगा।	सदस्य
(च) शहरी कार्य राष्ट्रीय संस्थान भारतीय लोक प्रबंध संस्थान, एन आई ई सी सी डी और राष्ट्रीय सामाजिक संस्थान के निदेशक नामित प्रतिनिधि।	सदस्य
(छ) तीन अग्रणी सरकारी प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि जिन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए क्रमवार प्राधार पर नियुक्त किया जायगा।	सदस्य
(ग) यूनीसेफ के प्रतिनिधि	सदस्य
(घ) निदेशक (यू पी ए) शहरी विकास मंत्रालय	सदस्य सचिव

3. राष्ट्रीय प्रबोधन समिति के निम्नलिखित कार्य होंगे :

- समय-समय पर विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में योजना के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा करना।
- विशेषकर 74वें संविधान संशोधन को ध्यान में रखते हुए गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम के कार्यान्वयन में यू एल बी एस की भागीदारी को सशक्त बनाना।
- शहरी स्तर पर समुदाय आयोजकों और परियोजना अधिकारियों, जिला स्तर पर जिला शहरी विकास एजेंसियों तथा राज्य स्तर पर राज्य शहरी विकास एजेंसियों समुचित नोडल एजेंसियों के रूप में यू बी एस पी कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए व्यावसायिक परियोजना संगठन का विकास करना।
- केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को दी गई धनराशि के उपयोग की समीक्षा करना तथा साथ ही यह सुनिश्चित करना कि संघ शासित प्रदेश अपने हिस्से की धनराशि का समुचित नियतन आबंटन करें।
- स्वयं निवासियों की सामुदायिक विकास समिति बना सुनिश्चित करना ताकि उन्हें शक्ति प्रदान कर विकास कार्यक्रमों में लोगों की भागीदारी को सुदृढ़ करना।
- यू बी एस पी कार्यक्रम के कार्यान्वयन में स्वैच्छिक एजेंसियों तथा अन्य गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी को सशक्त करना।
- योजना केन्द्र सरकार द्वारा अपनाई गई राष्ट्रीय कार्य योजना कार्यक्रम में उल्लिखित लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान दे रही है या नहीं, का मूल्यांकन करना।

[सं. एन-11025/9/93-यू बी एस/यू पी ए-III]
बी. के. कोडल, अध्यक्ष सचिव

Ministry of Urban Development

New Delhi, the 18 June, 1993

G.S.R. 363.—The Scheme of Urban Basic Services for the Poor (UBSP) has been approved by the Government for implementation during the Eighth Five Year Plan period as a Centrally sponsored Scheme.

2. At the town/city level, the Urban Local Bodies play a significant role in the implementation of the Scheme. At the District level District Urban Development Agencies and at the State level, State

Urban Development Agencies/State level Monitoring Committees headed by a Secretary level officer monitor the implementation of the Scheme. In order to monitor the Scheme at the national level, the Guidelines on the Scheme provide for the setting up of a National Monitoring Committee. Accordingly, the National Monitoring Committee is hereby set up with the following composition:

- Secretary, Ministry of Urban Development. —Chairman
- Jt. Secretary (UD), M/o Urban Development —Member

- | | | |
|---|------------------|--|
| (c) Jt. Secretary(F), M/o Urban Development | Member | (b) To strengthen the participation of Urban Local Bodies in the implementation of the poverty alleviation programmes especially in view of the 74th Constitutional Amendment Act. |
| (d) Representatives of Ministry of Health & Family Welfare; Ministry of Welfare; Department of Women & Child Development, (Ministry of Human Resource Development) and Department of Education (NFE Division) (Min. of Human Resource Development). | Members | (c) To develop a professional project organisation for implementation of the UBSP programme in terms of Community Organisers and Project Officers at the city level, District Urban Development Agencies at the district level and State Urban Development Agencies/appropriate nodal agencies at the State level. |
| (e) Secretaries/nodal officers of 4 State/UTs on a rotational basis to be appointed for a one year term. | Members | (d) To review the utilisation of funds given to the States/UTs by the Central Government as well as to ensure appropriate allocations/releases of their share of funds by the State Governments/UTs. |
| (f) Directors/designated representatives of the National Institute of Urban Affairs, Indian Institute of Public Administration, NIPCCD and National Institute of Social Defence. | Members | (e) To ensure devolution of funds to Community Development Societies of slum dwellers with a view to empowering them and strengthening people's participation in developmental programmes. |
| (g) Representatives of the three leading non-governmental organisations on a rotational basis to be appointed for a year term.— | Members | (f) To strengthen the involvement of voluntary agencies and other NGOs in the implementation of the UBSP programme. |
| (h) Representatives of UNICEF. | Member | (g) To assess whether the scheme is contributing towards the achievement of goals outlined in the National Programme of Action adopted by the Central Government. |
| (i) Director (UPA), Min. of Urban Development. | Member-Secretary | |
3. The following will be the terms of reference of the National Monitoring Committee:—
- (a) To review the status of the implementation of the scheme in the various States/UTs from time to time. —

[No. N-11025/9/93-UBS/UPA-III]

V.K. KONDAL, Under Secy

अम मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 जून, 1993

सं. का. नि. 364--र.पु.वि. संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अन्वेषक क्षेत्र: 1 (अम झूरी) समक्ष भर्ती नियम, 1993 को उन बातों के सिवाय अधिकांश करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिकांश से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, अम झूरों अम मंत्रालय में अन्वेषक क्षेत्र: 1 के पद पर भर्ती का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अम झूरों (अन्वेषक क्षेत्र: 1) भर्ती नियम, 1993 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन के तारिख की प्रवृत्त होंगे।
- पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद का संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों से उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।
- भर्ती का पद्धति, आयु-सीमा, रहूँताएँ आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, रहूँताएँ और उससे संबंधित अन्य बातें ये होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।
- यह व्यक्ति :—
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;
उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि कन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के मुख्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अन्तर्गत प्रयुक्त है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसे यकीन है। इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेंगे।

5. शिथिल करने की शक्ति :- जहाँ के मूल्य सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करने तथा संबंधी सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किन्ने उपायों को किन्ने धर्म या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाधित, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :- इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-समा में छूट और अन्य विधायकों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका कोई व सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित जातियों और अन्य विशेष प्रकार के व्यक्तियों के लिए उपाय करना प्रोक्षित है।

अनुसूची

पदनाम	पदों की संख्या	वे तामान	वर्गीकरण	अवस पद प्रवर्ग अवस पद	सर्वे शर्तों किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु समा	सेवा में जांचे गए व्यो का परावर्त कोष्ठ, य मिथिल सेवा वेंचन नियम, 1972 के नियम, 30 के अधीन अनुसूच है या नहीं
-------	----------------	----------	----------	-----------------------------	---	--

1	2	3	4	5	6	7
अवश्यक शर्तों-- 1	48* (1993) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण कोष्ठ्रीय सेवा समूह "ख" अराजपक्षित अनुसूचित जाति	1640-10- 2600-द. रं. - 75-2900 रु	अवस प्रवर्ग	30 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)	नहीं
टिप्पण :- आयु-समा अवधारित करने के लिए नियमित तारीख भारत में अवसरियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत को गई प्रतिम तारीख होगी) (त कि यह प्रतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजो- रम, मणिपुर, नागालैंड, सिपुरा, मिथिलम, अम्भू-कश्मीर राज्य के नदाल खंड, हिमाचल प्रदेश के नाहौल और स्प्रीति जिले तथा जम्बा जिले की प्रांती उपाय, अवमान और निकोबार, दीप या लक्षद्वीप के अवधारितों के लिए विहित की गई है।						

सर्वे किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्रोक्षित शैक्षिक और सांघे शर्तों किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिश्रमा का शक्ति, यदि कोई हो।
अन्य प्रवर्गों के लिए शैक्षिक प्रवर्गों प्रोक्षित
व्यक्ति की वशा में लागू होगी या नहीं।

8

9

10

आवश्यक :

- (1) किसी मातृताप्राप्त विश्वविद्यालय में सांख्यिकी/गणि (सांख्यिकी सहित) / अर्थशास्त्र (सांख्यिकी सहित) / वाणि-
ज्य (सांख्यिकी सहित) में मास्टर डिग्री या समतुल्य।
- (2) कम विषयों से संबंधित। आंकड़ों के संग्रहण, भंडारण और
विश्लेषण का 2 वर्ष का अनुभव है।

आयु : नहीं

शैक्षिक प्रवर्ग : नहीं, परन्तु किसी मातृता-
प्राप्त विश्वविद्यालय से शिपी अवसर होगी
वांछित जिसमें अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, गणित
या वाणिज्य एक विषय के रूप में रहा हो
या समतुल्य।

2 वर्ष

भर्ती की पद्धति: भर्ती संघे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

प्रोन्नति/नियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।

11

75% प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा।

25/ सीधी भर्ती द्वारा।

12

प्रोन्नति :

ऐसे अन्वेषक श्रेणी--2 जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण :-

केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी :-

(क) (1) जो नियमित आधार पर सदस्य पद धारण किए हुए हैं या

(2) जिन्होंने 1400-2300 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 6 वर्ष नियमित सेवा की हो।

(ख) जिनके पास स्तंभ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं। पोषक प्रवर्ग ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में है प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काइरबहाल्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसका संरचना

भर्ती करने में किन परिसरितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति :

(पुष्टि/प्रोन्नति के लिए)

- | | |
|-----------------------------------|------------|
| 1. निदेशक, श्रम ब्यूरो | -- अध्यक्ष |
| 2. संयुक्त निदेशक, श्रम ब्यूरो | -- सदस्य |
| 3. प्रशासनिक अधिकारी, श्रम ब्यूरो | -- सदस्य |

14

सीधी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[सं. ए-12018/4/87-ई. एस. ए. (एल. बी.)]
एस. एन. शर्मा, संयुक्त निदेशक

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi the 21st June, 1993

G.S.R. 364 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Investigator Grade-I (Labour Bureau) Similar Recruitment Rules, 1963, except as respect thing done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Investigator Grade-I in the Labour Bureau, Ministry of Labour namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Labour Bureau (Investigator Grade-I) Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto to these rules.

(3) Method of recruitment, age-limit qualifications etc.—The method of recruitment, age-limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any other person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage, and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by orders, for reasons to be recorded

in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons, in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
Investigator Grade I.	56* (1993) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group 'B' Non-Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.
Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of Service Admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.	
5	6	7	
Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep		

Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.
8	9	10	11
Essential : (i) Master's Degree in Statistics/Mathematics (with Statistics)/Economics (with Statistics)/Commerce (with Statistics) from a recognised University or equivalent. (ii) Two years experience in collection/compilation and analysis of data related to labour matters.	Age : No Educational qualifications : No but must possess Bachelor's degree with Economics, Statistics, Mathematics or Commerce as one of the subjects from a recognised University or equivalent.	Two years.	75 % by promotion failing which by transfer or deputation. 25 % by direct recruitment.
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.			
12			
Promotion : Investigators, Grade II with atleast 5 years' regular service in the grade.			

[भाग II-खंड 3(i)]

भारत का राजपत्र : जुलाई 10, 1993/आषाढ़ 19, 1915

1149

भर्ती की पद्धति: भर्ती संघे होगी या प्रोत्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्वा-
नांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की
प्रतिशतता।

प्रोत्ति/नियुक्ति/स्वातंत्र्य द्वारा भर्ती की दशा में वी श्रेणियों
जिनसे प्रोत्ति/प्रतिनियुक्ति/स्वातंत्र्य किया जाएगा।

11

12

75% प्रोत्ति द्वारा, जिसके न हो सकने पर, प्रतिनियुक्ति पर स्वातंत्र्य
द्वारा।

25 / सी.पी भर्ती द्वारा।

प्रोत्ति :

ऐसे अन्वेषक श्रेणी-2 जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम
5 वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्वातंत्र्य :-

केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी :-

(क) (1) जो नियमित आधार पर समय पर धारण किए हुए
हैं।

(2) जिन्होंने 1400-2300 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों
पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

(ख) जिसके पास स्तंभ 8 के अधिन संघे भर्ती किए जाने वाले
व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं।
पोषक प्रवर्ग ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोत्ति की सीमा
पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने
के पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति श्रेणी
द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।
प्रतिनियुक्ति की व्यवधि जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के
उत्तरी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक
पहले धारित किसी अन्य काष्ठ ब.हू.प पद पर प्रतिनियुक्ति
की व्यवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोत्ति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श
किया जाएगा।

13

14

समूह "ख" विभागीय प्रोत्ति समिति :
(पुष्टि/प्रोत्ति के लिए)

1. निदेशक, श्रम बजरी -- अध्यक्ष
2. संयुक्त निदेशक, श्रम बजरी -- सदस्य
3. प्रशासनिक अधिकारी, श्रम बजरी -- सदस्य

संघी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना
आवश्यक है।

[सं. ए-12018/4/87-ई. एस. ए. (एन. सी.)]
एस. एन. शर्मा, संयुक्त निदेशक

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi the 21st June, 1993

G.S.R. 364 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Investigator Grade-I (Labour Bureau) Similar Recruitment Rules, 1963, except as respect thing done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Investigator Grade-I in the Labour Bureau, Ministry of Labour namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Labour Bureau (Investigator Grade-I) Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto to these rules.

(3) Method of recruitment, age-limit qualifications etc.—The method of recruitment, age-limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any other person,

श्रम मंत्रालय

(रोजगार और प्रशिक्षण मंत्रालय)

नई दिल्ली, 23 जून, 1993

सा. का. नि. 365--राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रशिक्षण निदेशालय (मद्रास स्थित केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान एवं इससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान, क्षेत्रीय शिक्षण निदेशालय व उच्च प्रशिक्षण संस्थान की यूनिट, आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कार्लोक्ट तथा महिला क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, त्रिवेन्द्रम) समूह "घ" पर भर्ती नियम, 1975 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, इत्यति :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रशिक्षण निदेशालय (मद्रास स्थित केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान एवं इससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान, क्षेत्रीय शिक्षण निदेशालय व उच्च प्रशिक्षण संस्थान की यूनिट, आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कार्लोक्ट तथा महिला क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, त्रिवेन्द्रम) समूह "घ" पर भर्ती (संशोधन) नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. प्रशिक्षण निदेशालय, मद्रास स्थित केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान एवं इससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान, क्षेत्रीय शिक्षण निदेशालय व उच्च प्रशिक्षण संस्थान की यूनिट, आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कार्लोक्ट तथा महिला क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, त्रिवेन्द्रम समूह "घ" पर भर्ती नियम (जिसे इससे इससे पश्चात् मूल नियम कहा गया है) में "महिला क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, त्रिवेन्द्रम" शब्दों के स्थान पर शब्दों "जहाँ वे होते हैं, "महिला क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, त्रिवेन्द्रम और केन्द्रीय अनुदेशक माध्यम संस्थान, मद्रास" शब्द रखे जाएंगे।

3. मूल नियमों के अनुच्छेदों में, काम सं. 3, 7 और 8 के सामने की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, इत्यति :-

4. उक्त मूल नियमों में, नियम 8 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, इत्यति :-

"9. आरम्भिक गठन :

प्रशिक्षण निदेशालय (मद्रास स्थित केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान एवं इससे सम्बद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान, क्षेत्रीय शिक्षण निदेशालय व उच्च प्रशिक्षण संस्थान की यूनिट, आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कार्लोक्ट तथा महिला क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, त्रिवेन्द्रम और केन्द्रीय अनुदेशक माध्यम संस्थान, मद्रास) समूह "घ" पर भर्ती नियम, 1986 का अधिवृत्त सा. का. नि. सं. 358 तारीख 5-8-86 के प्रकाशन की तारीख से पूर्व, केन्द्रीय अनुदेशक माध्यम संस्थान, मद्रास में समूह "घ" पर नियमित आधार पर नियुक्त व्यक्ति, धारण करने निवृत्ति के तारीख से नियमित आधार पर नियुक्त किए गए समूह जायेंगे।"

4

महत्वांकक सार :

यह प्रमाणित किया जाता है कि भर्ती नियमों के इस संशोधन प्रकाश से किसी कार्यकारी के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

1	2	3	4	5	6	7
3. संशोधन परिचय	3* (1993)	आधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ"	950-20-1150- द रो. 25-1500 र.	योग्य नहीं होगा	योग्य नहीं होगा	18-25 वर्ष के बीच। (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारों सेवकों के लिए नियमित करने 10 वर्ष (अनुदेशों जादियों और अनुसूचित जनजातियों के श्रेणी में 15 वर्ष तक के जा सकते हैं)। टिप्पणी :- आ. य. सं. अध्यापन करने के लिए नियमित तारीख प्रत्येक मामले में भारत में अध्यापन में आशेषन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अतिम तारीख होगी (यदि कि वह अतिम तारीख जो अध्यापन सेवालय अध्यापन प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, मिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश के लद्दाख, श्री सूर्य जिले तथा चम्बा जिले के गांगी उपखंड, अजमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अध्यापियों के लिए नियमित की गई है)।

workload.

Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of Service Admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.
5	6	7
Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date proscribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).	

7

टिप्पण : 2 रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जा रही है, प्रत्येक मामले में ऐसे पदों की, बाबत जिन, पर नियुक्ति आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

8

9

10

आठवीं कक्षा परीक्षा उत्तीर्ण और सात वर्ष का औद्योगिक अनुभव।

आयु-नहीं
अर्हता-हां

बोध

टिप्पण 1 :- अनुभव संबंधी अर्हता सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की वशा में तब शिथिल की जा सकती है (है) जब चयन के किसी प्रक्रम पर सक्षम प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

11

12

प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा।

प्रोन्नति :

व्यवसाय परीक्षण के अधीन रहने हुए 775-1025 रु. के वेतनमान में ऐसे वर्गों में से प्रोन्नति जिन्होंने यूनिट में उच्च श्रेणी में सात वर्ष सेवा की है, जिसके न हो सकने पर व्यवसाय परीक्षण के अधीन रहने हुए 750-940 रु. के वेतनमान में ऐसे समूह "घ" कर्मचारियों में से जिन्होंने यूनिट में उस श्रेणी में 9 वर्ष सेवा की है जिसके न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा।

13

14

बिभागीय प्रोन्नति समिति (केवल पुष्टि के लिए)

लागू नहीं होता।

जसमें निम्नलिखित होंगे :-

1. क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय शिक्षा प्रशिक्षण निदेशालय, मद्रास।
 2. निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, मद्रास।
 3. निदेशक, केन्द्रीय अनुदेशांग माध्यम संस्थान, मद्रास।
 4. यूनिट का कोई अन्य समूह "क" अधिकारी।
- उपरोक्त अधिकारी में से ज्येष्ठतम अध्यक्ष होगा और शेष सदस्य होंगे।

1

2

3

4

5

6

7

7. चपरासी/परिचर

19*

माधारण केन्द्रीय सेवा,
समूह "ब"
(अराजपन्नित)

750-12-870-ब.रो.-
14-940 रु.

लागू नहीं
होता

लागू नहीं
होता

18-25 वर्ष के बीच।

(1993)

1. आर डी ए टी,
मद्रास-3

2. ए० टी० आई,
मद्रास-3

3. सी आई एम आई
मद्रास-2

4. सी टी आई,
मद्रास-5

[केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए शिथिल करके 40 वर्ष तक (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की वशा में 45 वर्ष) तक की जा सकती है।]

2

5. एम आई टी आई,
कालीकट—2
6. आर वी टी आई,
त्रिवेन्द्रम—2
*कार्यभार के आधार पर
परिवर्तन किया जा सकता
है।

7

टिप्पण : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, झारखण्ड प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लद्दाख, और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपखंड, अंडमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है)।

टिप्पण 2 :—रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाती है, प्रत्येक मामले में ऐसे पदों की बाबत जिन पर नियुक्ति, आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

8

बांछनीय :
छाठवां स्तर उत्तीर्ण।

9

लागू नहीं होता

10

दो वर्ष

11

25 प्रतिशत स्थानांतरण द्वारा
75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा

स्थानांतरण :

750-12-870-ब, रो. 14-940 के वेतनमान में यूनिट में के ऐसे समूह "घ" कर्मचारियों जिन्होंने एक या एक से अधिक श्रेणियों में पांच वर्ष नियमित सेवा की है और जिनके पास कम से कम प्राथमिक माधरता है और अंग्रेजी या हिन्दी या प्रादेशिक भाषा पढ़ने की योग्यता है।

13

समूह "घ" पद के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए) जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

लागू नहीं होता।

निम्नलिखित अधिकारियों में से उपयुक्त भ्रष्टाचारी होगा और शेष सबस्थ होंगे :—

1. क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय शिक्षता प्रशिक्षण निदेशालय, मद्रास।
2. निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, मद्रास।
3. निदेशक, केन्द्रीय अनुदेशीय माध्यम संस्थान, मद्रास।
4. यूनिट का कोई अन्य समूह "क" अधिकारी।

1	2	3	4
8. चौकीदार	20* (1993) 1. ए टी आई, मद्रास-7 2. सी आई एम आई, मद्रास-1 3. सी टी आई, मद्रास-8 4. एम आई टी आई, कालीकट-2 5. आर बी टी आई, त्रिवेन्द्रम-2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'घ', (अराजपत्रित)	750-12-870-द. रो. - 14-940 रु.
*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।			

6	6	7
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	18-25 वर्ष के बीच (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 40 वर्ष) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की दशा में 45 वर्ष तक की जा सकती है। टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख, जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपखंड, अंडमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है)। 2. प्रत्येक मामले में ऐसे पदों की बाबत जिन पर नियुक्ति, रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाती है, आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

8	9	10
<p>आवश्यक :</p> <p>इस क्षेत्र में एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए।</p> <p>वांछनीय :</p> <p>चतुर्थ स्तर उत्तीर्ण।</p> <p>टिप्पण : अनुभव संबंधी अर्हता सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (है) जब चयन के किसी प्रक्रम पर सक्षम प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।</p>	<p>लागू नहीं होता</p>	<p>दो वर्ष</p>
11	12	
सीधी भर्ती	लागू नहीं होता	
13	14	
<p>समूह "घ" पद के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए) जिसमें निम्नलिखित होंगे :—</p> <p>निम्नलिखित अधिकारियों में से ज्येष्ठतम अध्यक्ष होगा और शेष सदस्य होंगे :—</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय शिक्षता प्रशिक्षण निदेशालय, मद्रास। 2. निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, मद्रास। 3. निदेशक, केन्द्रीय अनुदेशीय माध्यम संस्थान, मद्रास। 4. यूनिट का कोई अन्य समूह "क" अधिकारी। 	<p>लागू नहीं होता</p>	

[सं० डी जी ई टी-ए 12018/12/91-टी.ए.-II]

एम० एन० वरदराजन, उप सचिव

टिप्पण :—मूस नियम अधिसूचना सा.का.नि. सं. 565, दिनांक 30-6-1976 द्वारा प्रकाशित किये गये थे और उनका संशोधन निम्नलिखित अधिसूचना राजपत्र द्वारा किया गया है।

1. सा.का.नि. सं. 1145, दिनांक 31-7-76
2. सा.का.नि. सं. 80, दिनांक 1-1-77
3. सा.का.नि. सं. 424, दिनांक 20-4-84
4. सा.का.नि. सं. 358, दिनांक 5-5-86

(Directorate General of Employment and Training)
New Delhi the 23rd June, 1993

G.S.R. 365 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Training (the Unit of Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto, the Regional Directorate of Apprenticeship Training and the Advanced Training Institute at Madras, the Model

Industrial Training Institute, Calicut, Regional Vocational Training Institute for Women, Trivendrum) Group 'D' Posts Recruitment Rules, 1975, namely:—

1. (1) These rules may be called the Directorate of Training (the unit of Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto, the Regional Directorate of Apprenticeship Training and the Advanced Training Institute at Madras, the Model Industrial Training Institute, Cali-

cut, the Regional Vocational Training Institute for Women, Trivendrum) Group 'D' Posts Recruitment (Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Directorate of Training (the Unit of Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto, the Regional Directorate Apprenticeship Training and the Advanced Training Institute at Madras, the Model Industrial Training Institute, Calicut, Regional Vocational Training Institute for Women, Trivendrum) Group 'D' Posts Recruitment Rules, 1975, (hereinafter called the principal rules) for the words, "the Regional Vocational Training Institute for Women, Trivendrum" wherever they occur, the words "the Regional Vocational Training, Institute for Women, Trivendrum and Central Instructional Media Institute, Madras.", shall be substituted.

3. In the schedule to the principal rules, for the entries against serial Nos. 3, 7 and 8, the following entries shall be substitute, namely:—

To be continued from the Schedule

4. In the said principal rules, after rule 8 the following rules shall be inserted, namely:—

"9 Initial Constitution:—The person appointed in the Central Instructional Media Institute, Madras to Group 'D' posts on regular basis prior to the date of publication of the notification of the Directorate of Training (the Unit of Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto, the Regional Directorate of Apprenticeship Training and the Advanced Training Institute at Madras, the Model Industrial Training Institute, Calicut, Regional Vocational Training Institute for Women, Trivendrum and the Central Instructional Media Institute, Madras) Group 'D' Posts Recruitment Rules, 1986—GSR No. 358, dated 5-5-86 shall be treated to have been appointed on regular basis from their respective dates of appointment."

Explanatory Memorandum:—Certified that this retrospective effect of Recruitment Rule will not adversely affect the interests of any employee.

1	2	3	4	5
3. Store Attendent.	*3 (1992) (i) Advanced Training Institute —2 (ii) Central Instructional Media Institute, Madras —1 *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'D' (Non-Gazetted)	Rs. 950-20-1150-EB-1500.	Not applicable
6	7	8		
Not applicable	Between 1825 years (Relaxable for Government servants upto 40 years (45 years in case of Scheduled castes and Scheduled Tribes) in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note 1 . The crucial date for determining the age limit shall in each case, be the closing date for receipt of application from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladhakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).	Class VIII examination pass with 7 years industrial experience. Note : The qualification regarding experience is relaxed at discretion of the competent authority in the case of of candidates belonging to the Scheduled Castes/Scheduled Tribes, if at any any stage of the selection, the competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved from them.		

7

Note 2 : In respect of posts the appointments to which are made through the Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit shall, in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.

9	10	11
Age : No Qualification : Yes	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.

12	13	14
Promotion : Promotion from Daftry in the pay scale of Rs. 775-1025 with 7 years of service in the Grade in the Unit subject to passing of a Trade Test failing which from Group 'D' staff in the pay scale of Rs. 750-940 with 9 years of service in the Grade in the Unit subject to passing of a Trade Test failing which by direct recruitment.	Departmental Promotion Committee (for confirmation only consisting of) :— 1. Regional Director, Regional Directorate of Apprenticeship Training, Madras. 2. Director, Advanced Training Institute, Madras. 3. Director, Central Instructional Media Institute, Madras. 4. Any other Group 'A' Officer of the Unit. The senior most of the above officer shall be the Chairman and the remaining shall be Members.	Not applicable

SCHEDULE

1	2	3	4
7. Peon/Attendant	*19 (1993)	General Central Service	Rs. 750-12-870-EB-14-
	1. RDAT, Madras	—3 Group 'D'	940.
	2. ATI, Madras	—3 (Non-Gazetted).	
	3. CIMI, Madras	—2	
	4. CTI, Madras	—5	
	5. MITI, Calicut	—2	
	6. RVTI, Trivandrum	—2	
	*Subject to variation dependent on workload.		

5	6	7	8
Not applicable	Not applicable	Between 18-25 years (Relaxable for Government Servants upto 40 years/ 45 years in case of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.) Note 1 : The crucial date for determining the age limit shall in each case, be the closing date for receipt of application from candidates in India (and not the Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Note 2 : In respect of posts the appointments to which are made through the Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit shall, in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Desirable : 8th Standard passed.
9	10	11	
Not applicable	2 years	25% by transfer 75% by direct recruitment.	
12	13	14	
Transfer : Group 'D' Staff in the Unit in the Scale of Rs. 750-12-870-FB-14-940 with 5 years regular service in one or more grades and possessing atleast elementary literacy and ability to read either English or Hindi or Regional Language.	Departmental Promotion Committee for Group 'D' posts (for confirmation) consisting of : The Senior most of the following officers shall be the Chairman and the remaining shall be Members : 1. Regional Director, Regional Directorate of Apprenticeship Training, Madras. 2. Director, Advanced Training Institute, Madras. 3. Director, Central Instructional Media Institute, Madras. 4. Any other Group 'A' Officer of the Unit.	Not applicable	

1	2	3	4	5
8. Chowkidar	*20 (1993) 1. ATI, Madras —7 (Non-Gazetted) 2. CIMI, Madras—1 3. CTI, Madras —8 4. MITI Calicut —2 5. RVTI Trivendrum —2 *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group 'D'	Rs. 750-12-870-EB- 14-940.	Not applicable
6	7	8		
Not applicable	Between 18—25 years. (Relaxable for Government Servants upto 40 years/45 years in case of Scheduled Caste and Scheduled Tribe in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note 1 : The crucial date for determining the age limit shall in each case be the closing date for receipt of application from candidates in India (and not the Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland and Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub- Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Note 2 : In respect of posts the appoint- ments to which are made through the Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit shall, in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Essential : Should have one year's experience in the line. Desirable : 4th Standard pass. Note : The qualification regarding expe- rience is relaxable at the discretion of the competent authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, if at any stage of the selection, the competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.		
9	10	11		
Not applicable	2 years	Direct recruitment.		

12

13

14

Not applicable

Departmental Promotion Committee for Group 'D' posts (for confirmation) consisting of :—

The senior-most of the following officers shall be the Chairman and the remaining shall be Members :—

1. The Regional Director,
Regional Directorate of Apprenticeship Training,
Madras.
2. Director,
Advanced Training Institute,
Madras.
3. Director,
Central Instructional Media Institute,
Madras.
4. Any other Group 'A' Officer of the Unit.

Not applicable.

[No. DGET/A—12018/12/91—TA-II]
M.N. VARADARAJAN, Dy. Secy.

Note:— The Principal Rules were published vide GSR No. 565, dated the 30th June, 1975 and have been amended vide notification/gazette as under:—

3. GSR No. 424, dated 20-4-84
4. GSR No. 358, dated 5-5-86

1. GSR No. 1145, dated 31-7-76
2. GSR No. 60, dated 1-1-77

